राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 12 अगस्त 2025 वर्ष-8,अंक-174 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सरकार पुरुषों के लिए सीटें आरक्षित नहीं कर सकती : सुप्रीम कोर्ट

● ये समानता के अधिकार का उल्लंघन; सेना की कानूनी विंग में आरक्षण नीति रद्द की

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भारतीय सेना की जज एडवोकेट जनरल (जेएजी) शाखा में पुरुष और महिला अधिकारियों के लिए 2-1 अनुपात में आरक्षण देने की नीति को रद्द कर दिया।

जेएजी सेना की कानूनी विंग है, जहां अधिकारी कानूनी सलाह, कोर्ट-मार्शल मामलों और सैनिकों व उनके परिवारों की कानूनी जरूरतों को देखते हैं। दो महिला उम्मीदवारों की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि यह नीति मनमानी है और संविधान के तहत सभी को मिले समानता के अधिकार का उल्लंघन करती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, सरकार केवल पुरुषों के लिए सीटें आरक्षित नहीं कर सकती। महिलाओं की सीटें सीमित करना गलत है। असली जेंडर न्यूट्रैलिटी का मतलब है कि सबसे योग्य उम्मीदवार चुने जाएं।

कोर्ट बोला-भरपाई के लिए महिलाओं के लिए कम से कम 50 प्रतिशत सीटें रिजर्व करें

जेएजी में कुल 9 पदों में भर्ती होनी थी, इसमें 2 :1 अनुपात में आरक्षण के आधार पर 6 पुरुषों और 3 महिलाओं का चयन किया गया। इस पर जस्टिस मनमोहन और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने कहा कि पिछले सालों में महिलाओं को कम मौके मिलने की भरपाई के लिए कम से कम 50 प्रतिशत सीटें महिलाओं को दी जाएं, लेकिन अगर महिलाएं पुरुषों से ज्यादा मेरिट में हैं तो उन्हें 50 प्रतिशत तक ही सीमित करना भी गलत होगा।

सुप्रीम कोर्ट बोला-

● दिल्ली-एनसीआर में कुत्तों को पकड़कर नसबंदी करें, इन्हें शेल्टर होम में रखें, नहीं तो कार्रवाई - सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली और एनसीआर के नगर निकायों को निर्देश दिया है कि आवारा कुत्तों को तुरंत पकड़कर नसबंदी करें और उन्हें स्थायी रूप से शेल्टर होम में रखें। कोर्ट ने कहा,इस काम में कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी और अगर कोई व्यक्ति या संगठन इसके बीच में आया, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि दिल्ली, एमसीडी और एनएमडीसी जल्द से जल्द सभी इलाकों, खासकर संवेदनशील क्षेत्रों से कुत्ते उठाएं। जरूरत हो तो इसके लिए अलग बल बनाएं।

मध्यप्रदेश में -बैंक से 14 करोड़ का सोना, 5 लाख कैश लूटा

4 जिलों में अलर्ट

जबलपुर (एजेंसी)। म.प्र.जबलपुर से 50 किलोमीटर दूर खितौला इलाके में हथियारबंद बदमाशों ने सोमवार सुबह 11 बजे बैंक लूट लिया। लुटेरों ने बैंक कर्मचारियों को कट्टा दिखाकर धमकाया। फिर 15 मिनट में 14

किलो 800 ग्राम सोना और 5 लाख 70 हजार रुपए नकद लेकर भाग निकले। लूटे गए सोने की अनुमानित कीमत साढ़े 14 करोड़ से ज्यादा आंकी गई है। पुलिस ने जिले में नाकाबंदी कर दी है। पूरे जबलपुर सहित कटनी, मंडला, डिंडोरी पुलिस को अलर्ट किया गया है। जबलपुर पुलिस के मुताबिक, वारदात इसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक की है। यहां छह युवक तीन बाइकों पर सवार होकर आए। बैंक के बाहर बाइक खड़ी कर एक-एक कर अंदर पहुंचे। कुछ देर बैंक कर्मचारियों की वर्किंग देखते रहे।

लोकसभा में नया आयकर बिल पास

नई दिल्ली (एजेंसी) वोटर वेरिफिकेशन और वोटों की चोरी के आरोपों पर हंगामे के बीच सरकार ने सोमवार को नया आयकर बिल (नंबर -2) 2025 और कराधान कानून संशोधन बिल-2025 लोकसभा में पास कराया।

बिहार के 7 जिलों में बाढ़, 10 लाख लोग प्रभावित

● हिमाचल में 360 से ज्यादा सड़कें बंद

नई दिल्ली/पटना/भोपाल/लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश-बिहार में तेज बारिश के कारण बाढ़ के हालात हैं। बिहार के 7 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 10 लाख लोग प्रभावित हैं। गंगा समेत बिहार की 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। पटना जिले की 24 पंचायतें भी बाढ़ से घिरी हैं। उत्तर प्रदेश में भी लगातार बारिश से नदियां-नाले उफान पर हैं। मुरादाबाद में रामगंगा नदी उफान पर है। रविवार को एक बाइक सवार इसमें बह गया और फिर 22 घंटे तक एक पेड़ पर बैठा

रहा। बाद में उसका रेस्क्यू हुआ। पिछले 24 घंटे में यूपी के 54 जिलों में 5.9 मिमी बारिश हुई। मध्य प्रदेश में बीते कुछ दिनों से बारिश बंद थी। पिछले दो दिन से मौसम में बदलाव हुआ है। बंगाल की खाड़ी में 13 अगस्त से लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) एक्टिव होगा। इससे पूरे प्रदेश में फिर से तेज बारिश का दौर शुरू होगा।

कर्नाटक में मंत्री राजन्ना का इस्तीफा-कहा था- वोटर लिस्ट गड़बड़ी कांग्रेस की नाकामी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना ने सोमवार को कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस हाईकमान ने उन्हें वोटर लिस्ट में गड़बड़ी पर अपनी ही पार्टी को घेरने वाले बयान के बाद पद छोड़ने को कहा था। राजन्ना का इस्तीफा ऐसे समय में आया है, जब कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर वोटर लिस्ट में गड़बड़ियों के आरोप लगाए हैं।

फतेहपुर में मकबरे पर भगवा लहराया

बवाल-पथराव, तोड़फोड़

● हिंदू संगठनों का मंदिर होने का दावा, सड़क पर जाम लगाकर हनुमान चालीसा पढ़ी

फतेहपुर (एजेंसी)। यूपी में संभल के बाद अब फतेहपुर में मंदिर-मस्जिद का विवाद शुरू हो गया। यहां सोमवार सुबह करीब 10 बजे अचानक बजरंग दल, हिंदू महासभा समेत कई हिंदू संगठनों के 2 हजार लोग ईदगाह में बने मकबरे पर पहुंच गए। पुलिस ने पहले से मकबरे के चारों तरफ बैरिकेडिंग कर दी थी, लेकिन लाठी-डंडे से लैस हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने मकबरे को मंदिर बताकर तोड़फोड़ करनी शुरू कर दी। कुछ युवकों ने मकबरे की छत पर चढ़कर भगवा झंडा लगा दिया। हिंदू महासभा के नेता मनोज त्रिवेदी भीड़ के साथ मकबरे के अंदर पहुंचे और पूजा करने लगे। मकबरे पर भगवा झंडा और पूजा-पाठ देख मुस्लिम समुदाय के लोग भड़क गए। करीब डेढ़ हजार मुस्लिम ईदगाह पहुंच गए। इसके बाद दोनों तरफ से पथराव होने लगा।

छह जिलों के एएसपी रवाना

बवाल की सूचना पर एडीजी जोन प्रयागराज संजीव गुप्ता मौके पर पहुंच गए हैं। फ्लैग मार्च कर ड्रोन कैमरे से निगरानी की जा रही है। एडीजी के आदेश पर 6 जिलों के एएसपी फतेहपुर रवाना किए गए हैं। इनमें चित्रकूट, बांदा, हमीरपुर, कौशांबी, प्रतापगढ़ और कानपुर देहात के एएसपी शामिल हैं।

शहर काजी बोले- कोई हंगामा न करे

शहर काजी सईदुल इस्लाम अब्दुल्ला ने मुस्लिम समुदाय से शान्ति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा- इन लोगों ने शहर का अमन चैन खराब करने के लिए हुड़दंग किया है।

तिरुवनंतपुरम-दिल्ली एअर इंडिया फ्लाइट की चेन्नई में लैंडिंग

चेन्नई (एजेंसी)। तिरुवनंतपुरम से दिल्ली आ रही एअर इंडिया फ्लाइट एआई2455 की चेन्नई में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। एयरलाइंस ने तकनीकी गड़बड़ी और खराब मौसम को इसकी वजह बताया। एयर ट्रैफिक ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइट रडार 24 के अनुसार फ्लाइट ने रात 8 :17 बजे उड़ान भरी। इसे 10 :45 बजे दिल्ली पहुंचना था।

● वोटर वेरिफिकेशन के खिलाफ विपक्ष का मार्च

राहुल-प्रियंका, अखिलेश को हिरासत में लिया

● 2 घंटे बाद छोड़ा, प्रदर्शन के दौरान 2 महिला सांसद बेहोश हुईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। वोटर वेरिफिकेशन और चुनाव में वोट चोरी के आरोप पर विपक्ष के 300 सांसदों ने सोमवार को संसद से चुनाव आयोग के ऑफिस तक मार्च निकाला। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी सांसदों को हिरासत में लिया गया। पुलिस उन्हें संसद मार्ग पुलिस स्टेशन ले गई, जहां से 2 घंटे बाद रिहा कर दिया गया। हिरासत में लिए जाने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि यह संविधान बचाने की लड़ाई है। ये एक व्यक्ति-एक वोट की लड़ाई है, इसलिए हमें साफ वोटर लिस्ट चाहिए। वहीं प्रियंका गांधी ने कहा कि यह सरकार डरी हुई है और कायर है।

बीच सड़क महुआ मोइत्रा और मिताली हुईं बेहोश... 'वोट चोरी' के खिलाफ विपक्ष ने छेड़ा संग्राम

चुनाव आयोग के विरोध में विपक्षी दलों ने राहुल गांधी के नेतृत्व में मार्च निकाला जिसे दिल्ली पुलिस ने रोक दिया। अनुमति न होने के कारण पुलिस ने कई नेताओं को हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए गए सांसदों को पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने ले जाया गया। बस में हिरासत में लिए जाने के दौरान टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा बेहोश हो गईं। वहीं एक और टीएमसी सांसद मिताली बाग भी विरोध प्रदर्शन के दौरान बेहोश हो गईं।

दिल्ली पुलिस बोली- सांसदों ने मार्च के लिए अनुमति नहीं मांगी

मार्च संसद के मकर द्वार से शुरू हुआ। सांसदों के हाथों में 'वोट बचाओ' के बैनर थे। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने कहा था कि इंडिया ब्लॉक ने मार्च के लिए कोई अनुमति नहीं मांगी है, इसलिए इलेक्शन कमीशन जाने से पहले ही मार्च को परिवहन भवन के पास बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया गया।

दिल्ली में सांसदों के लिए बने 184 फ्लैट्स

● पीएम मोदी ने उद्घाटन कर 'सिंदूर' का पौधा भी लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के बाबा खड़क सिंह मार्ग पर सांसदों के लिए बनाए गए 184 नए फ्लैट्स का उद्घाटन किया। ये सभी फ्लैट्स टाइप-7 के मल्टी-स्टोरी अपार्टमेंट हैं। पीएम मोदी ने 'सिंदूर' का पौधा भी लगाया। इसके अलावा श्रमजीवियों से मुलाकात की। उद्घाटन के दौरान पीएम ने कहा- इन चार टावरों को बहुत सुंदर नाम दिए गए हैं, कृष्णा, गोदावरी, कोसी और हुगली, जो भारत की चार महान नदियों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो लाखों लोगों को जीवन देती हैं।

देशभर के किसानों को 3200 करोड़ फसल बीमा-क्लेम का भुगतान

झुंझुनूं में सीएम और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज ने बटन दबाकर ट्रांसफर की राशि

झुंझुनूं (एजेंसी)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान झुंझुनूं पहुंचे। यहां हवाई पट्टी पर आयोजित समारोह में बटन दबाकर देशभर के किसानों के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 3200 करोड़ रूपए की बीमा क्लेम राशि जारी की। इससे पूर्व कार्यक्रम में सीएम और केंद्रीय कृषि को बाजरे की बालियों से बने खास बुके देकर स्वागत किया गया।

कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने मंच से कहा- राज्य में नकली खाद और बीज बनाने वालों के खिलाफ सरकार ने सख्त रुख अपना लिया है। हमने प्रदेश में नकली खाद और बीज का जखीरा पकड़ा है। इस मामले में, सरकार ने कई एफआईआर दर्ज कराई हैं। प्रोग्राम में मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री बटन दबाकर रबी सीजन 2024-25 एवं खरीफ सीजन 2024 की बीमा दावा राशि की पहली किश्त डीबीटी (डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर) के माध्यम से किसानों के खातों में ट्रांसफर की। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों के लगभग 30 लाख किसानों को 3,200 करोड़ की राशि सीधे तौर पर ट्रांसफर कीं।

पुणे में भीषण हादसा, दर्शन के लिए जा रही गाड़ी खाई में पलटी, 7 महिलाओं की मौत

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र में पुणे जिले के खेड़ तालुका में एक भयानक हादसा हुआ है। कुंडेश्वर में दर्शन के लिए जा रही महिलाओं से भरी एक पिकअप गाड़ी करीब 30 फीट गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में 7 महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 25 से 30 लोग घायल हो गए। यह हादसा खेड़ तालुका के पश्चिमी इलाके में कुंडेश्वर शिव मंदिर के रास्ते में घाट इलाके में हुआ। मौके पर राहत और बचाव का काम शुरू कर दिया गया है।

हादसे में 30-35 महिलाएं जख्मी- जानकारी के मुताबिक, पापलवाड़ी की कुछ महिलाएं दर्शन के लिए कुंडेश्वर जा रही थीं। तभी घाट से गुजरते समय उनकी पिकअप गाड़ी एक घाटी में पलट गई। हादसे में 7 महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई।

म.प्र. जबलपुर में बाइक को टक्कर मारकर पलटी स्कॉर्पियो, 5 की मौत

ड्राइवर ने कंट्रोल खोया, निर्माणाधीन मकान में जा घुसी गाड़ी, 5 गंभीर घायल

अनूपपुर (एजेंसी)। अनूपपुर में एक स्कॉर्पियो ने बाइक को टक्कर मार दी। इसके बाद पलटी खाते हुए निर्माणाधीन मकान में घुस गई। गाड़ी इतनी रफ्तार से पलटते हुए गई की आगे का कांच टूट गया, जिससे निकलकर दो युवक बाहर गिर गए। हादसे में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दो ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। दो शवों का पोस्टमार्टम कोतमा और तीन का बीजरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया जा रहा है।

5 गंभीर घायल हैं, जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में भर्ती कराया गया है। एक्सीडेंट सोमवार सुबह करीब 10 बजे रामनगर थाना क्षेत्र के रेऊंदा गांव में हुआ। स्कॉर्पियो सवार अनूपपुर के कोतमा से बेलिया जा रहे थे। मृतकों में से चार स्कॉर्पियो जबकि एक बाइक सवार शामिल है।

कोतमा से झिरिया टोला जा रहे थे स्कॉर्पियो सवार

टीआई कौशिक ने कहा- स्कॉर्पियो सवार लोग कोतमा से झिरिया टोला की तरह आ रहे थे। वहीं, बाइक सवार युवक झिरिया टोला से कोतमा की ओर जा रहा था। नेशनल हाईवे 43 पर झिरिया टोला के पास स्कॉर्पियो अनियंत्रित हो गई। बाइक को टक्कर मार दी, फिर निर्माणाधीन मकान में जा घुसी। मकान में कोई मौजूद नहीं था।

गाड़ी लेकर घूमने निकले थे सभी

टीआई ने बताया कि स्कॉर्पियो सवार सभी लोग एक ही गांव के रहने वाले हैं। स्कॉर्पियो आशीष केवट की है। वह सुबह दोस्तों के साथ घूमने निकला था। इसमें 9 लोग सवार थे। हादसे को देखकर लगता है कि गाड़ी की रफ्तार बहुत तेज थी। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि बाइक को टक्कर मारने के बाद स्कॉर्पियो करीब 20 मीटर उछलकर निर्माणाधीन मकान में घुसकर पलट गई। इससे स्कॉर्पियो का आगे का शीशा टूटा। आशीष और अन्य दोस्त बाहर गिर गए। बाकी लोग अंदर फंसे थे। दूसरे शीशे तोड़कर उनको बाहर निकाला गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

युवा: वर्तमान की क्रांति एवं शांति के वाहक

युवापीढ़ी पर यह दायित्व है कि संघर्ष को आमंत्रित करे, मूल्यांकन का पैमाना बदले, अहं को तोड़े, जोखिम का स्वागत करे, स्वार्थ और व्यामोह से ऊपर उठे। युवा दिवस मनाने का मतलब है- एक दिन युवकों के नाम। इस दिन पूरे विश्व में युवापीढ़ी के संदर्भ में चर्चा होगी, उसके ह्रास और विकास पर चिंतन होगा, उसकी समस्याओं पर विचार होगा और ऐसे रास्ते खोजे जायेंगे, जो इस पीढ़ी को एक सुंदर भविष्य दे सकें।

(लेखक- ललित गर्ग)

(अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस, 12 अगस्त 2025 पर विशेष)

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस केवल एक कैलेंडर की तारीख नहीं है, बल्कि यह हमें याद दिलाता है कि आज की दुनिया में परिवर्तन का सबसे बड़ा वाहक युवा हैं। यह दिन संयुक्त राष्ट्र ने युवाओं के अधिकार, अवसर और योगदान को मान्यता देने के लिए तय किया है, लेकिन इसकी वास्तविक सार्थकता तभी है जब हम युवाओं को केवल 'भविष्य के नेता' कहकर टालें नहीं, बल्कि उन्हें वर्तमान का निर्णायक शक्ति केंद्र मानें। आज भारत की आबादी में लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा 35 वर्ष से कम उम्र का है। यह केवल सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि संभावनाओं का महासागर है। लेकिन इन संभावनाओं को दिशा देने के लिए केवल शिक्षा या नौकरी पर्याप्त नहीं; दृष्टि, मूल्यों और संकल्प की भी उतनी ही आवश्यकता है। क्योंकि युवा क्रांति का प्रतीक है, ऊर्जा का स्रोत है, इस क्रांति एवं ऊर्जा का उपयोग रचनात्मक एवं सृजनात्मक हो, इसी ध्येय से सारी दुनिया प्रतिवर्ष में सन् 2000 में अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन आरम्भ किया गया था। यह दिवस मनाने का मतलब है कि युवाशक्ति का उपयोग विध्वंस में न होकर निर्माण में हो। युवा, शांति और सुरक्षा पर सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव 2250 (9 दिसंबर 2015) शांति को बढ़ावा देने और उग्रवाद का मुकाबला करने में युवा शांति निर्माताओं को शामिल करने की तत्काल आवश्यकता की अभूतपूर्व स्वीकृति का प्रतिनिधित्व करता है, और स्पष्ट रूप से युवाओं को वैश्विक प्रयासों में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्थान देता है।

स्वामी विवेकानंद का आह्वान आज भी गूंजता है- 'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।' इस अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर हमें न केवल युवाओं की सराहना करनी है, बल्कि उन्हें जिम्मेदारी सौंपनी है, क्योंकि वे सिर्फ कल के नहीं, बल्कि आज के भी निर्माता हैं। स्वामी विवेकानन्द ने भारत के नवनिर्माण के लिये मात्र सौ युवकों की अपेक्षा की थी। क्योंकि वे जानते थे कि युवा 'विजनरी' होते हैं और उनका विजन दूरगामी एवं बुनियादी होता है। उनमें नव निर्माण करने की क्षमता होती है। नया भारत निर्मित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी युवाशक्ति को आगे लाना होगा। युवा किसी भी देश का वर्तमान और भविष्य हैं। वो देश की नींव हैं, जिस पर देश की प्रगति और विकास निर्भर करता है। लेकिन आज भी बहुत से ऐसे विकसित और विकासशील राष्ट्र हैं, जहाँ नौजवान ऊर्जा व्यर्थ हो रही है। कई देशों में शिक्षा के लिए जरूरी आधारभूत संरचना की कमी है तो कहीं प्रछन्न बेरोजगारी जैसे हालात हैं। युवा अनेक विसंगतियों एवं बुराइयों से घिरे हैं।

युवाओं में जोश होता है, लेकिन बिना दिशा का जोश आग भी लगा सकता है और दीपक भी जला सकता है। यह चुनाव हमारे हाथ में हैकृहम उन्हें सृजनशील बदलाव के शिल्पी बनाते हैं या अराजकता के उपकरण। महात्मा गांधी ने कहा थाकृष्आप वह बदलाव बनें जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।' युवा इस वाक्य को केवल नारा न बनाएं, बल्कि अपने जीवन का सूत्रवाक्य बनाएं। आज के युवा के सामने बेरोजगारी, मानसिक तनाव, नशे की लत, डिजिटल व्यसन, और सामाजिक असमानता जैसी चुनौतियां हैं। लेकिन इन्हीं के बीच नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति, डिजिटल क्रांति, और वैश्विक मंच पर पहचान बनाने के अनगिनत अवसर भी हैं।

जरूरत है-आत्मनिर्भर सोच की, नैतिकता आधारित नेतृत्व की और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता की। जब जलवायु परिवर्तन, शांति स्थापना, मानवाधिकार, और वैश्विक न्याय जैसे मुद्दों की बात आती है, तो दुनिया युवाओं की आवाज सुनना चाहती है। स्वीडन की ग्रेटा थनबर्ग से लेकर भारत के अनगिनत सामाजिक नवप्रवर्तकों तक-युवा यह साबित कर रहे हैं कि उम्र कोई बाधा नहीं, दृष्टि और साहस ही असली पूंजी है।

युवाओं के हाथ में केवल भविष्य की मशाल नहीं, बल्कि वर्तमान की बागडोर भी है। अगर वे खुद को केवल दर्शक बनाकर रखेंगे, तो इतिहास उनके बिना आगे बढ़ जाएगा। लेकिन अगर वे सक्रिय भागीदारी करेंगे, तो इतिहास उन्हें अपने पन्नों में सुनहरे अक्षरों में दर्ज करेगा।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस मनाते हुए मूल प्रश्न है कि क्या हमारे आज के नौजवान भारत को एक सक्षम देश बनाने का स्वप्न देखते हैं? या कि हमारी वर्तमान युवा पीढ़ी केवल उपभोक्तावादी संस्कृति से जन्मी आत्मकेन्द्रित पीढ़ी है? दोनों में से सच क्या है? दरअसल हमारी युवा पीढ़ी महज स्वप्नजीवी पीढ़ी नहीं है, वह रोज यथार्थ से जूझती है, उसके सामने भ्रष्टाचार, आरक्षण का बिगड़ता स्वरूप, महंगी होती जाती शिक्षा, कैरियर की चुनौती और उनकी नैसर्गिक प्रतिभा को कुचलने की राजनीति विसंगतियां जैसी तमाम विषमताओं और अवरोधों की ढेरों समस्याएं भी हैं। उनके पास कोरे स्वप्न ही नहीं, बल्कि आंखों में किरकिराता सच भी है। इन जटिल स्थितियों से लौहा लेने की ताकत युवक में ही हैं। क्योंकि युवक शब्द क्रांति का प्रतीक है। विचारों के नभ पर कल्पना के इन्द्रधनुष टांगने मात्र से कुछ होने वाला नहीं है, बेहतर जिंदगी जीने के लिए मनुष्य को संघर्ष आमंत्रित करना होगा। वह संघर्ष होगा विश्व के सार्वभौम मूल्यों और मानदंडों को बदलने के लिए। सत्ता, संपदा, धर्म और जाति के आधार पर मनुष्य का जो मूल्यांकन हो रहा है मानव जाति के हित में नहीं है। दूसरा भी तो कोई पैमाना होगा, मनुष्य के अंकन का, पर उसे काम में नहीं लिया जा रहा है। क्योंकि उसमें अहं को पोषण देने की सुविधा नहीं है। क्योंकि वह रास्ता जोखिम भरा है। क्योंकि उस रास्तें में व्यक्तिगत स्वार्थ और व्यामोह की सुरक्षा नहीं है।

युवापीढ़ी पर यह दायित्व है कि संघर्ष को आमंत्रित करे, मूल्यांकन का पैमाना बदले, अहं को तोड़े, जोखिम का स्वागत करे, स्वार्थ और व्यामोह से ऊपर उठे। युवा दिवस मनाने का मतलब है-एक दिन युवकों के नाम। इस दिन पूरे विश्व में युवापीढ़ी के संदर्भ में चर्चा होगी, उसके ह्रास और विकास पर चिंतन होगा, उसकी समस्याओं पर विचार होगा और ऐसे रास्ते खोजे जायेंगे, जो इस पीढ़ी को एक सुंदर भविष्य दे सकें। इसका सबसे पहला लाभ तो यही है कि संसार भर में एक वातावरण बन रहा है युवापीढ़ी को अधिक सक्षम और तेजस्वी बनाने के लिए।

युवकों से संबंधित संस्थाओं को सचेत और सावधान करना होगा और कोई ऐसा सकारात्मक कार्यक्रम हाथ में लेना होगा, जिसमें निर्माण की प्रक्रिया अपनी गति से चलती रहे। विशेषत: राजनीति में युवकों की सकारात्मक एवं सक्रिय भागीदारी को सुनिश्चित करना होगा। अर्नाल्ड टायनबी ने अपनी पुस्तक 'सरवाइविंग द फ्यूचर' में नवजवानों को सलाह देते हुए लिखा है 'मरते दम तक जवानी के जोश को कायम रखना।' उनको यह इसलिये कहना पड़ा क्योंकि जो जोश उनमें भरा जाता है, यौवन के परिपक्व होते ही उन चीजों को भावुकता या जवानी का जोश कहकर भूलने लगते हैं। वे नीति विरोधी काम करने लगते है, गलत और विध्वंसकारी दिशाओं की ओर अग्रसर हो जाते हैं। इसलिये युवकों के लिये जरूरी है कि वे जोश के साथ होश कायम रखे। इसीलिये सुकरात को भी नवयुवकों पर पूरा भरोसा था। वे जानते थे कि नवयुवकों का दिमाग उपजाऊ जमीन की तरह होता है। उन्नत विचारों का जो बीज बो दें तो वही उग आता है। एथेंस के शासकों को सुकरात का इसलिए भय था कि वह नवयुवकों के दिमाग में अच्छे विचारों के बीज बोने की क्षमता रखता था। आज की युवापीढ़ी में उर्वर दिमागों की कमी नहीं है मगर उनके दिलो दिमाग में विचारों के बीज पल्लवित कराने वाले स्वामी विवेकानन्द और सुकरात जैसे लोग दिनोंदिन घटते जा रहे हैं।

कला, संगीत और साहित्य के क्षेत्र में भी ऐसे कितने लोग हैं, जो नई प्रतिभाओं को उभारने के लिए ईमानदारी से प्रयास करते हैं? हेनरी मिलर ने एक बार कहा था- ''मैं जमीन से उगने वाले हर तिनके को नमन करता हूं। इसी प्रकार मुझे हर नवयुवक में वट वृक्ष बनने की क्षमता नजर आती है।'' महादेवी वर्मा ने भी कहा है ''बलवान राष्ट्र वही होता है जिसकी तरुणाई सबल होती है।'' इसीलिये युवापीढ़ी पर यह दायित्व है कि वह युवा दिवस पर कोई ऐसी क्रांति घटित करे, जिससे युवकों की जीवनशैली में रचनात्मक परिवर्तन आ सके, हिंसा-आतंक-विध्वंस की राह को छोड़कर वे निर्माण की नयी पगडंडियों पर अग्रसर हो सके।

संपादकीय

अस्पतालों का मोहभंग

यह सरकार द्वारा वित्त पोषित, दुनिया के सबसे बड़े स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम के लिये एक बड़ा झटका है कि हरियाणा के छह सौ से अधिक निजी अस्पतालों के मालिकों ने इस योजना से किनारा करने का मन बनाया है। निश्चित रूप से इतनी बड़ी संख्या में निजी अस्पतालों का मोहभंग होना सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के लिये चिंता की बात ही कही जा सकती है। अस्पतालों की दलील है कि उन्हें पांच सौ करोड़ रुपये से अधिक बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया है। निश्चय ही राजग सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के क्रियान्वयन में प्रशासनिक खामियां ही उजागर हुई हैं। उल्लेखनीय है कि इस योजना में गंभीर रोगों का उपचार कराने वाले लोगों के प्रत्येक परिवार के लिये पांच लाख रुपये तक के कैशलेस उपचार का वायदा किया गया था। लेकिन अकसर निजी अस्पतालों की ओर से आरोप लगाया जाता रहा है कि इस योजना के तहत उपचार कराने वाले मरीजों के बिल का भुगतान कभी समय पर नहीं किया जाता है। निश्चय ही कोई योजना तब तक प्रभावी नहीं कही जा सकती, जब तक वह केवल कागजों तक ही सीमित रहती है। निस्संदेह, ऐसी स्थिति में आयुष्मान कार्डधारकों को दी जाने वाली चिकित्सा सेवाएं बंद हो जाएंगी। इस स्थिति में उन मरीजों की मुश्किलें बढ़ जाएंगी, जो गरीबी के चलते महंगे इलाज करने में सक्षम नहीं होते। ऐसे में उन्हें अपना या अपने परिजनों का कारगर इलाज करने में लंबे विलंब का सामना करना पड़ेगा। जाहिर बात है कि आयुष्मान योजना का लाभ न मिलने से मरीजों को मजबूरी में संसाधन विहीन सरकारी अस्पतालों की शरण में जाना पड़ सकता है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि सरकारी अस्पताल पहले ही मरीजों के भारी दबाव को झेल रहे हैं और कई अस्पतालों में पर्याप्त व विशेषज्ञ चिकित्सकों का नितांत अभाव है। वहीं तमाम सरकारी अस्पतालों में उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधाओं की कमी अकसर बनी रहती है। वैसे सरकार की कल्याणकारी मंशा पर संदेह नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन समय पर योजना के लिये धन उपलब्ध न करा पाने की स्थिति निराशाजनक और नुकसान पहुंचाने वाली साबित हो सकती है। निस्संदेह, जानलेवा बीमारियों से जूझ रहे मरीज नौकरशाही की अड़चनों के कम होने का इंतजार नहीं कर सकते। साथ ही गरीबी से जूझ रहे रोगी निजी अस्पतालों में उपचार नहीं करा सकते क्योंकि अधिक परिचालन लागत वाले अस्पताल बिना भुगतान के सेवाएं देने में असमर्थ हैं। निस्संदेह, यह संकट एक व्यापक मुद्दे की ओर इशारा करता है कि जन कल्याणकारी योजनाओं को बनाते वक्त सावधानी, व्यावहारिक बजट और उसका कुशलतापूर्वक क्रियान्वयन करना जरूरी है। ऐसे में समय पर धन आवंटन, नियमित ऑडिट और अस्पतालों व मरीजों के लिये एक शिकायत निवारण प्रणाली सुनिश्चित करने के लिये मजबूत तंत्र बनाया जाना चाहिए। इसके लिये सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं के लिये अपने बजट में वृद्धि करनी चाहिए। यदि जीडीपी का सिर्फ दो फीसदी स्वास्थ्य क्षेत्र पर खर्च किया जाता रहा तो महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजनाएं हकीकत में लड़खड़ाती रहेंगी।

महान भारतीय वैज्ञानिक-डॉ विक्रम साराभाई

(लेखक - संजय गोस्वामी)

विक्रम साराभाई का जन्म 12 अगस्त 1919 को गुजरात, भारत के अहमदाबाद शहर में हुआ था. साराभाई के परीवार का उनके जीवन में बहोत महत्त्व था और वे एक अमीर व्यापारी परीवार से सम्बन्ध रखते थे. उनके पिता अम्बालाल साराभाई एक समृद्ध उद्योगपति थे जिन्होंने गुजरात में कई मिल्स अपने नाम कर रखी थी. विक्रम साराभाई, अम्बालाल और सरला देवी की 8 संतानो में से एक थे. अपने 8 बच्चों को पढाने के लिए सरला देवी ने मोंटेसरी प्रथाओ के अनुसार एक प्राइवेट स्कूल की स्थापना की, जिसे मारिया मोंटेसरी ने प्रतिपादित किया था, उनकी इस स्कूल ने बाद में काफी ख्याति प्राप्त की थी. साराभाई का परीवार भारतीय स्वतंत्रता अभियान में शामिल होने के कारण बहोत से स्वतंत्रता सेनानी जैसे महात्मा गांधी, मोतीलाल नेहरू, रबीन्द्रनाथ टैगोर और जवाहरलाल नेहरू अक्सर साराभाई के घर आते-जाते रहते थे. इन सभी सेनानियो का उस समय युवा विक्रम साराभाई के जीवन पर काफी प्रभाव पडा और उन्होंने साराभाई के व्यक्तिगत जीवन के विकास में काफी सहायता भी की. सितम्बर 1942 को विक्रम साराभाई का विवाह प्रसिद्ध क्लासिकल डांसर मृणालिनी साराभाई से हुआ. उनका वैवाहिक समारोह चेन्नई में आयोजित किया गया था जिसमे विक्रम के परीवार से कोई उपस्थित नही था, क्योकि उस समय महात्मा गांधी का भारत छोडो आंदोलन चरम पर था, जिसमे विक्रम का परीवार भी शामिल था. विक्रम और मृणालिनी को दो बच्चे हुवे- कार्तिकेय साराभाई और मल्लिका साराभाई. मल्लिका साराभाई अपनेआप में ही एक प्रसिद्ध डांसर है जिन्हें पालमे डी'ओरे पुरस्कार से सम्मानित कीया गया उनकी सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषता यह थी कि वे एक ऐसे उच्च कोटि के इन्सान थे जिसके मन में दूसरों के प्रति असाधारण सहानुभूति थी। वह एक ऐसे व्यक्ति थे कि जो भी उनके संपर्क में आता, उनसे प्रभावित हुए बिना न रहता। वे जिनके साथ भी बातचीत करते, उनके साथ पेशेवरी तौर पर व्यक्तिगत सौहार्द स्थापित कर लेते थे। ऐसा इसलिए संभव हो पाता था क्योंकि वे लोगों के हृदय में अपने लिए आदर और विश्वास की जगह बना लेते थे और उन पर अपनी ईमानदारी की छाप छोड़ जाते थे। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र इसरो का सबसे बड़ा एवं सर्वाधिक महत्वपूर्ण केंद्र है। यह तिरुवनंतपुरम में स्थित है। यहाँ पर रॉकेट, प्रक्षेपण यान एवं कृत्रिम उपग्रहों का निर्माण एवं उनसे सम्बंधित तकनीकी का विकास किया जाता है। केंद्र की शुरुआत थम्बा भूमध्यरेखीय रॉकेट प्रक्षेपण केंद्र के तौर पर 1962 में हुई थी। केंद्र का पुन: नामकरण भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डॉ॰ विक्रम साराभाई के सम्मान में किया गया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की स्थापना उनकी महान उपलब्धियों में एक थी। रूसी स्पुतनिक के प्रमोचन के बाद उन्होंने भारत जैसे विकासशील देश के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम के महत्व के बारे में सरकार को राज़ी किया। डॉ. साराभाई ने अपने उद्धरण में अंतरिक्ष कार्यक्रम के महत्व पर ज़ोर दिया. ऐसे कुछ लोग हैं जो विकासशील राष्ट्रों में अंतरिक्ष गतिविधियों की प्रासंगिकता पर सवाल उठाते हैं। हमारे सामने उद्देश्य की कोई अस्पष्टता नहीं है। हम चंद्रमा या ग्रहों की गवेषणा या मानव सहित अंतरिक्ष-उड़ानों में आर्थिक रूप से उन्नत राष्ट्रों के साथ प्रतिस्पर्धा की कोई कल्पना नहीं कर रहें हैं। लेकिन हम आश्वस्त हैं कि अगर हमें राष्ट्रीय स्तर पर, और राष्ट्रों के समुदाय में कोई सार्थक भूमिका निभानी है, तो हमें मानव और समाज की वास्तविक समस्याओं के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों को लागू करने में किसी से पीछे नहीं रहना चाहिए।

विज्ञान के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों को देखते हुए 1962 में उन्हें 'शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कार' से सम्मानित किया गया । भारत सरकार ने उन्हें 1966 में 'पद्मभूषण' से अलंकृत किया । इन सबके अतिरिक्त इंडियन अकादमी ऑफ साइंसेज, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंसेस ऑफ इंडिया, फिजिकल सोसाइटी, लन्दन और कैम्ब्रिज फिलोसाफिकल सोसाइटी ने उन्हें अपना 'फैलो' बनाकर सम्मानित किया । डॉ. साराभाई जब वापस अपने स्वतंत्र भारत में आए तो उन्होंने उन सुविधो को लाने या उसकी पूर्ति करना चाहा था जो अभी लोगो के बीच नहीं था, इसके लिए उन्होंने अपने परिवार द्वारा चलाए जा रहे समाजसेवी संस्थानों को चलाना आरम्भ कर दिया । इस महान वैज्ञानिक के सम्मान में तिरूवनंतपुरम में स्थापित थुम्बा इक्वेटोरियल रॉकेट लॉचिंग स्टेशन **(Thumba Equatorial Rocket Launching Station)** और सम्बध्द अंतरिक्ष संस्थाओं का नाम बदल कर विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र **(Vikram Sarabhai Space Centre)** रख दिया गया , उनके पिता अंबालाल साराभाई एक संपन्न उद्योगपति थे भारत में इंटरमीडिएट विज्ञान की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद विक्रम साराभाई इंग लैंड चले गये और केम्ब्रिज विश्वविद्यालय के सेंट जॉन कॉलेज में भर्ती हुए अहमदाबाद में भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला की स्थापना में उन्होंने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन **(Indian Space Research Organisation)** की स्थापना विक्रम साराभाई की महान उपलब्धियों में एक थी विक्रम साराभाई को विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्र में सन 1966 में भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था. विक्रम साराभाई को सन 1966 में पद्म श्री एवम 1972 में पद्म विभूषण से नवाजा गया था।

डॉ. साराभाई द्वारा स्थापित संस्थान में भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), अहमदाबाद, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट (आईआईएम), अहमदाबाद, कम्यूनिटी साइंस सेंटर, अहमदाबाद, दर्पण अकाडेमी फ़ॉर परफ़ार्मिंग आर्ट्स, अहमदाबाद , विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, तिरुवनंतपुरम, स्पेस अप्लीकेशन्स सेंटर, अहमदाबाद (यह संस्थान साराभाई द्वारा स्थापित छह संस्थानों/केंद्रों के विलय के बाद अस्तित्व में आया), फ़ास्टर ब्रीडर टेस्ट रिएक्टर (एफ़बीटीआर), कल्पकम, वेरिएबल एनर्जी साइक्लोट्रॉन प्रॉजेक्ट, कोलकाता, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड(ईसीआईएल),हैदराबाद, यूरेनियम कार्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड(यूसीआईएल),जादूगुडा, बिहारआदि प्रमुख हैं। विक्रम साराभाई ने कास्मिक किरणों के समय परिवर्तन पर अनुसंधान किया और निष्कर्ष किया कि मौसम विज्ञान परिणाम कास्मिक किरण के दैनिक परिवर्तन प्रेक्षण पर पूर्ण रुप से प्रभावित नहीं होगा। आगे, बताया कि अवशिष्ट परिवर्तन विस्तृत तथा विश्वव्यापी है तथा यह सौर क्रियाकलापों के परिवर्तन से संबंधित है।

विक्रम साराभाई ने सौर तथा अंतरग्रहीय भौतिकी में अनुसंधान के नए क्षेत्रों के सुअवसरों की कल्पना की थी। वर्ष 1957-1958 को अंतर्राष्ट्रीय भू-भौतिकी वर्ष **(IGW)** के रुप में देखा जाता है।साराभाई द्वारा अंतर्राष्ट्रीय भू-भौतिकी वर्ष(**IGW)** के लिए भारतीय कार्यक्रम एक अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहा। 1957 में स्पुटनिक-1 के प्रमोचन ने उनको अंतरिक्ष विज्ञान के नये परिदृश्यों से अवगत कराया। तदनंतर, उनकी अध्यक्षता में अंतरिक्ष अनुसंधान हेतु भारतीय राष्ट्रीय समिति **(INCOSPAR)** का गठन किया गया।

जीवन के चार आधार

सुसंस्कारिता के चार आधार हैं- समझदारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी और बहादुरी। इन्हें आध्यात्मिक-आंतरिक वरिष्ठता की दृष्टि में उतना ही महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए जितना शरीर के लिए अन्न, जल, वस्त्र और निवास अनिवार्य समझा जाता है। समझदारी का अर्थ है- दूरदर्शी विवेकशीलता अपनाना। आमतौर से लोग तात्कालिक लाभ को सब कुछ मानते हैं और उसे पाने के लिए कोई गलत कदम उठाने में भी संकोच नहीं करते। इससे भविष्य अंधकारमय बन जाता है। अपराधी तत्वों में से अधिसंख्य इसी मनोवृत्ति के होते हैं। दूरदर्शिता, विवेकशीलता उस अनुभवी किसान की गतिविधियों जैसी हैं, जिनके अनुसार खेत जोतने, बीज बोने, खाद पानी देने, रखवाली करने में आरंभिक हानि और कष्ट सहने को शिरोधार्य किया जाता है। दूरदर्शिता बताती है कि इसका प्रतिफल उसे समयानुसार मिलने ही वाला है। एक बीज के दाने के बदले कई गुना दाने मिलने वाले हैं। संयम और सत्कार्य ऐसी ही बुद्धिमत्ता है। पुण्य परमार्थ में भविष्य को उज्ज्वल बनाने वाली संभावनाएं निहित हैं। संयम का प्रतिफल वैभव और पौरुष के रूप में दृष्टिगत होने ही वाला है। दूरबीन के सहारे दूर तक की वस्तुओं को देखा जा सकता है और उस जानकारी के आधार पर अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय लिया जा सकता है। अध्यात्म की भाषा में इसी को तृतीय नेत्र खुलना कहते हैं, जिसके आधार पर विपत्तियों से बचना और उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं का सृजन संभव है। कथनी-करनी को एक सा रखना ईमानदारी है। सहयोग व सद्भाव अर्जित करने के लिए ईमानदारी प्रमुख आधार है। इसे अपने व्यवसाय में अपनाकर अनेक लोगों ने छोटी स्थिति से उठकर बड़ी सफलता पाई है। बड़े उत्तरादायित्वों को उपलब्ध करने और उसका निर्वाह करने में ईमानदार ही सफल होते हैं। सुसंस्कारिता का तीसरा पक्ष है- जिम्मेदारी। गैर जिम्मेदार उत्तरदायित्वों से निर्लज्जतापूर्वक इंकार कर सकते हैं,पर जिम्मेदार लोगों को अपने उत्तरदायित्वों का नियमबद्ध होकर समय पर निर्वाह करना पड़ता है। जो स्वास्थ्य सुरक्षित रखने की, जीवन संपदा का श्रेष्ठतम सदुपयोग करने की, लोक परलोक उत्कृष्ट बनाने की जिम्मेदारी निभाते हैं, वे ही संतोष, यश आरोग्य का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। चौथा व अंतिम चरण है-बहादुरी। दैनिक जीवन में अनेकानेक उलझनों से निपटने के लिए उपयुक्त साहस आवश्यक है, अन्यथा हड़बड़ी में समाधान का सही उपाय नहीं सूझेगा।

विचार मंथन

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ हाउस अरेस्ट? सिब्बल

(लेखक- सनत जैन)

देश के राजनीतिक गलियारों में इन दिनों सबसे चौंकाने वाली चर्चा, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की कथित 'गुमशुदगी' को लेकर है। विपक्ष ने अब धनखड के जरिए सरकार को घेरने और निशाना साधने की तैयारी कर ली है। बीते दिनों सपा से राज्यसभा सांसद एवं वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने एक बयान देकर सरकार को घेरने के लिए नया दांव चल दिया है। सिब्बल ने आरोप लगाया है, पूर्व उप राष्ट्रपति धनखड़ इस्तीफा देने के बाद से सार्वजनिक रूप से उनका कोई भी वजूद दिखाई नहीं दे रहा है। उनका फोन नहीं लग रहा, उनके परिवार की ओर से भी कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आ रही। उन्होंने यहां तक कहा कि अगर स्थिति स्पष्ट नहीं हुई, तो वह कोर्ट में हेबियस कॉर्पस याचिका दाखिल कर सकते हैं। इस प्रकार कपिल सिब्बल अदालत के माध्यम से धनखड़ को सामने लाने की रणनीति अपना सकते हैं। कपिल सिब्बल के इस बयान के बाद सरकार को या तो जगदीप धनखड़ के बारे में जानकारी देनी होगी। यदि कोई उनसे संपर्क नहीं कर पा रहा है, जिसके लिए सिब्बल हेवियस कॉरपस के माध्यम से उन्हें देश के सामने लाने का प्रयास कर रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं रह गया है। कपिल सिब्बल का बयान सतही तौर पर नरम लेकिन राजनीतिक रूप से बेहद सख्त था। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह पर सीधा निशाना साधते हुए कहा, जब सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों को ढूंढ सकती है, तब देश के पूर्व उपराष्ट्रपति का पता क्यों नहीं लगा पा रही है? जगदीप धनखड़ इस्तीफा देने के बाद से चुप क्यों हैं। क्या सरकार ने उन्हें हाउस अरेस्ट कर रखा है। क्या उनसे जबरदस्ती इस्तीफा लिखवाया गया है। सरकार जल्दबाजी में उपराष्ट्रपति का चुनाव क्यों करा रही है? इस तरह के कई सवाल देशभर में उठने लगे हैं। यह सवाल अपने आप में संकेत है, मामला सिर्फ बीमारी या निजी कारणों तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक दबाव या साजिश का हिस्सा हो सकता है। सिब्बल ने अपने बयान में विदेशी उदाहरण भी दिया। जैसे चीन या अन्य देशों में नेताओं का अचानक लापता हो जाना, साधारण घटना मान ली जाती है। वह कहां चले गए इसका पता किसी को नहीं लगता है। ऐसा ही कुछ धनकड़ साहब के साथ तो नहीं हुआ? ऐसी आशंका व्यक्त करके उन्होंने एक राजनीतिक तूफान खड़ा करने की कोशिश की, उनका यह बयान इसी रूप में देखा जा रहा है। भारतीय लोकतंत्र में इस तरह के बयान असामान्य और चिंताजनक हैं। सिब्बल ने यह भी संकेत दिया, धनखड़ को संभवत: जानबूझकर अलग-थलग करके रखा गया है। इस्तीफे के बाद कोई भी उनसे संपर्क स्थापित नहीं कर पा रहा है। नाही सरकार उनके बारे में बोलने के लिए तैयार है। धनखड का अचानक सार्वजनिक जीवन से पूरी तरह गायब हो जाना कई सवाल खड़े कर रहा है। अगर वह बीमार हैं, तो उनकी स्थिति पर आधिकारिक जानकारी सरकार और उनके परिवार द्वारा क्यों नहीं दी जा रही?

इसी बीच पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें उन्होंने अपने ऊपर हुए कथित उत्पीड़न का जिक्र करते हुए कहा है, ईमानदार नेताओं को अब सरकार द्वारा फंसाया जा रहा है। राम मनोहर लोहिया अस्पताल में जिस तरह से उनकी मृत्यु हुई है। सरकार ने उनके इलाज और अंतिम संस्कार में जिस तरह की उपेक्षा की है। यह बयान कहीं न कहीं सिब्ल द्वारा जो आशंका व्यक्त की गई है, उसको मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। सत्ता से असहमति रखने वाले या अप्रिय हो चुके नेता दबाव और अलगाव की नीति के शिकार होने की ओर इशारा करता है। यह मामला, अब महज़ व्यक्तिगत स्वास्थ्य या निजी गोपनीयता का नहीं रहा। यह सवाल लोकतांत्रिक पारदर्शिता, संवैधानिक पदों की गरिमा और राजनीतिक एवं निजी स्वतंत्रता से जोड़ने की कोशिश विपक्ष कर रहा है। अगर पूर्व उपराष्ट्रपति जैसी ऊंची संवैधानिक हैसियत रखने वाले व्यक्ति को लेकर इस तरह के सवाल उठ रहे हैं तो फिर आम आदमी के बारे में कल्पना करना ही व्यर्थ है। कपिल सिब्बल ने धनखड को लेकर जो कहा है, वह आगे चलकर सरकार की मुसीबतें बढ़ा सकता है। सरकार को चाहिए, वह पूर्व राष्ट्रपति जगदीप धनखड को लेकर आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक करे। कपिल सिब्बल की हेबियस कॉर्पस की चेतावनी राजनीतिक भूचाल ला सकती है। सरकार को इसे गंभीरता से लेना होगा। जगदीप धनखड़ सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के सदस्य भी हैं। उनका पेशेवर और राजनीतिक कैरियर है। जब सरकार चुनाव आयोग और वोट चोरी जैसे आरोपों से घिरी हो, ऐसे समय पर सरकार को कपिल सिब्बल के इस बयान को गंभीरता से लेना होगा। अन्यथा एक नया मोर्चा सरकार के खिलाफ खुलने जा रहा है। विपक्ष इस समय बहुत आक्रामक है। विपक्ष अपने अस्तित्व के लिए लड़ रहा है। कुछ ऐसी ही स्थिति अब सरकार की भी बनने लगी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एयर इंडिया ने शुरू की बोइंग 787 विमानों की रेट्रोफिटिंग

नयी दिल्ली । टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया के बोइंग 787-8 विमानों की रेट्रोफिटिंग शुरू हो गई है। कंपनी ने बताया कि 26 बी 787-8 विमानों की रेट्रोफिटिंग (विमान में नये उपकरण या कलपुर्जे आदि जोड़ने का काम) की उसकी योजना है। इसके लिए पहला विमान जुलाई में अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित बोइंग के केंद्र में गया था और अब उसकी रेट्रोफिटिंग शुरू हो गयी है। इसी उद्देश्य के लिए अक्टूबर में एक और विमान कैलिफोर्निया जायेगा और दोनों के दिसंबर तक वापस परिचालन के लिए आने की उम्मीद है।

बेमौसम बारिश से एयर कंडीशनर कंपनियों के राजस्व में 34 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली । बेमौसम बारिश और पिछली तिमाही के उच्च आधार के कारण जून तिमाही में सूचीबद्ध रूम एयर कंडीशनर (आरएसी) कंपनियों के राजस्व में भारी गिरावट दर्ज की गई है। वोल्टास, ब्लू स्टार, हैवेल्स जैसे प्रमुख ब्रांडों के राजस्व में 13 से 34 प्रतिशत तक की कमी आई है, जिससे उनके मुनाफे और संचालन पर अल्पकालिक दबाव महसूस हुआ है। वोल्टास ने तिमाही में अपने आरामदायक और व्यावसायिक उपयोग वाले उत्पादों से 24.57 फीसदी की गिरावट के साथ 2,868 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया। वहीं, हैवेल्स के लॉयड्स व्यवसाय का राजस्व 34.4 फीसदी घटकर 1,262 करोड़ रुपये रह गया। कंपनियों के अनुसार, 2025 की गर्मी देर से आई, हल्की और अचानक समाप्त हो गई, जिससे एयर कंडीशनर की मांग पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। पिछले साल इसी तिमाही में तेज और भीषण गर्मी के कारण रिकॉर्ड बिक्री हुई थी, जो इस बार उच्च आधार के रूप में सामने आया और गिरावट को और बढ़ा दिया। हालांकि, कुछ निर्माताओं ने बताया कि उनके वाणिज्यिक एयर कंडीशनिंग व्यवसाय ने बेहतर प्रदर्शन किया है, जो इस गिरावट को आंशिक रूप से कम करता है।

सीसीआई ने आरसीएफ पर महाराष्ट्र में जबरन उत्पाद बिक्री की जांच शुरू की

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने सरकारी कंपनी राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स (आरसीएफ) के खिलाफ महाराष्ट्र में यूरिया के साथ अन्य उत्पादों की कथित जबरन बिक्री को लेकर जांच का आदेश दिया है। एक शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरसीएफ किसानों और डीलरों पर दबाव डाल रही है कि वे यूरिया के साथ गैर-सरकारी सब्सिडी वाले उत्पाद भी खरीदें। सीसीआई ने कहा है कि यह व्यवहार प्रतिस्पर्धा अधिनियम के तहत 'प्रभावशाली स्थिति के दुरुपयोग' और 'प्रतिस्पर्धा-विरोधी समझौतों' के नियमों का उल्लंघन हो सकता है। आयोग ने अपनी जांच शाखा को 60 दिनों में रिपोर्ट सौंपने को कहा है। शिकायत में सरकारी विभागों, डीलर संघों के पत्र, मीडिया रिपोर्ट्स और वीडियो के सबूत भी शामिल हैं, जो कथित जबरन बिक्री को दर्शाते हैं। यह जांच प्रारंभिक है और अंतिम निर्णय बाद में होगा।

श्रीजी शिपिंग का 411 करोड़ रुपये का आईपीओ लॉन्च

नई दिल्ली । श्रीजी शिपिंग ग्लोबल लिमिटेड ने अपने 411 करोड़ रुपये के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 240 से 252 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। यह आईपीओ 19 अगस्त से 21 अगस्त तक निवेशकों के लिए खुला रहेगा, जबकि एंकर निवेशक 18 अगस्त को बोली लगा सकेंगे। कंपनी पोत परिवहन और लॉजिस्टिक सेवाएं प्रदान करती है। इस आईपीओ के तहत कुल 1.63 करोड़ इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे, जिसमें कोई बिक्री पेशकशशामिल नहीं है। यदि बोली मूल्य के ऊपरी स्तर पर बंद होता है, तो कंपनी को इससे लगभग 411 करोड़ रुपये जुटाने की उम्मीद है।

भारतीय आईटी कंपनियों में वरिष्ठ कर्मचारियों पर बढ़ता दबाव, हजारों की छंटनी

- 7,000 से अधिक वरिष्ठ कर्मचारी कंपनी छोड़ चुके

नई दिल्ली ।

भारतीय आईटी सेक्टर में वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों पर दबाव तेज होता जा रहा है। धीमी कारोबारी गति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव के चलते कंपनियां खर्च कम करने के लिए मझोले स्तर के कर्मचारियों की जगह वरिष्ठ कर्मियों पर भी कार्रवाई कर रही हैं। एक्सफेनो के आंकड़ों के मुताबिक, देश की सात बड़ी आईटी कंपनियों टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस), इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक, कॉग्निजेंट, एलटीआईमाइंडट्री और टेक महिंद्रा में पिछले एक साल में 15 साल से अधिक अनुभव वाले 7,000 से अधिक वरिष्ठ कर्मचारी कंपनी छोड़ चुके हैं। यह कुल वरिष्ठ कर्मचारियों का लगभग 4 प्रतिशत है। छंटनी के बाद निकाले गए कर्मचारियों में लगभग 43 प्रतिशत ने दूसरी बड़ी या मझोली आईटी कंपनियों में नौकरी हासिल की है, जबकि 48 प्रतिशत ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) में वरिष्ठ पदों पर स्थानांतरित हुए हैं। बाकी कर्मचारी गैर-जीसीसी या अन्य तकनीकी व गैर-तकनीकी कंपनियों में गए हैं। हालांकि यह स्पष्ट नहीं कि कितने

कर्मचारी स्वेच्छा से निकले और कितनों को कंपनी ने नौकरी से मुक्त किया।

राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम के तहत बकाया सब्सिडी जल्द मिलेगी

- 200 करोड़ से अधिक की लंबित सब्सिडी भुगतान की प्रक्रिया को जल्द पूरा करने की तैयारी

नई दिल्ली । नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम के तहत अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन परियोजनाओं के लिए 200 करोड़ रुपये से अधिक की लंबित सब्सिडी भुगतान की प्रक्रिया को जल्द पूरा करने की तैयारी कर रहा है। इस सब्सिडी वितरण में पिछले कुछ समय से देरी चल रही थी, जिसका मुख्य कारण पहले के सख्त नियम थे। पिछले नियमों के अनुसार, संयंत्रों को लगातार तीन महीने तक 80 प्रतिशत क्षमता से काम करना जरूरी था। यह शर्त कई परियोजनाओं के लिए कठिन साबित हुई क्योंकि बिना उचित खरीद व्यवस्था के संयंत्र अपनी पूरी क्षमता पर नहीं चल पाए। वे आमतौर पर 60 से 70 प्रतिशत क्षमता पर ही संचालित होते रहे। मंत्रालय ने इस समस्या को समझते हुए 27 जून को दिशानिर्देशों में संशोधन किया। नए नियमों के तहत टिकाऊ उत्पादन के बजाय संयंत्र की क्षमता और कुशलता के आधार पर सब्सिडी प्रदान की जाएगी। अब एक दिन के निरीक्षण के आधार पर भी सब्सिडी जारी की जा सकेगी। इससे निवेशकों को राहत मिलेगी और सब्सिडी वितरण की प्रक्रिया तेज होगी। अधिकारीयों ने बताया कि अब सब्सिडी वितरण फिर से शुरू हो गया है और कुछ महीनों में लगभग 200 करोड़ रुपये का बकाया भुगतान कर दिया जाएगा। बायोमास पेलेट डेवलपर्स ने बताया कि मॉनसून के दौरान संयंत्र को पूरी क्षमता से चलाना मुश्किल होता है, इसलिए निरीक्षण मॉनसून के बाद किया जाएगा। निरीक्षण के बाद भुगतान में लगभग एक महीने का समय लगेगा। यह बदलाव न केवल अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि निवेशकों का भरोसा भी बढ़ाएगा, जिससे देश में स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलेगी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 746 , निफ्टी 221 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

टैरिफ के डर से निकलकर भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही विदेशी पूंजी निवेश के साथ ही तेल, ऑटो और बैंकिंग शेयरों में भारी खरीदारी से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 746.29 अंक करीब 0.93 फीसदी बढ़कर 80,604.08 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 221.75 अंक तकरीबन 0.91 फीसदी की बढ़त के साथ ही 24,585.05 पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद बेंचमार्क सूचकांक और निफ्टी में करीब एक फीसदी की तेजी रही।

आज सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स, इटर्नल, ट्रेंट, भारतीय स्टेट बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर लाभ में रहे। दूसरी ओर भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारती एयरटेल और मारुति के शेयरों में गिरावट रही। बाजार में पिछले तीन महीने के बाद निचले स्तर से उबरा है जिससे निवेशकों को राहत

मिली है। निवेशक इस सप्ताह होने वाले अमेरिका-रूस शिखर सम्मेलन को लेकर भी उत्साहित हैं और उनका मानना है कि इससे तनाव में तेजी का सकती है। आज एशियाई बाजारों में, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग ऊपर आया जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ।

जापान में छुट्टी के कारण बाजार बंद रहे। यूरोपीय बाजारों में अधिकतर गिरावट रही जबकि शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई, जिसमें पीएसयू बैंक शेयरों की तेजी ने खास भूमिका निभाई। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 122 अंक की बढ़त के साथ 79,980 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 42 अंक की मजबूती के साथ 24,405 पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकी बाजारों में टेक स्टॉक्स में तेजी रही, जबकि एशियाई बाजार भी सकारात्मक रुख के साथ खुले।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 23 पैसे की गिरावट के साथ ही 87.73 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसे मजबूत होकर 87.50 पर पहुंच गया। वहीं गत शुक्रवार को रुपया 87.58 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, डॉलर में कमजोरी और वैश्विक घटनाक्रमों के प्रति निवेशकों की सतर्कता ने रुपये को मजबूती प्रदान की। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.56 पर खुला और थोड़ी ही देर में 87.50 के स्तर पर पहुंच गया। विशेषज्ञों का मानना है कि रुपया सोमवार के सत्र में 87.25 से 87.80 के दायरे में रह सकता है। इस मजबूती के पीछे प्रमुख कारण अमेरिकी डॉलर में कमजोरी है। डॉलर सूचकांक, जो छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दिखाता है, 0.11 फीसदी गिरकर 98.07 पर आ गया। इसके अलावा, रूस और अमेरिका के बीच संभावित वार्ता की उम्मीदों ने निवेशकों को थोड़ी राहत दी है। कच्चे तेल की कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गई, जो रुपये के लिए सकारात्मक संकेत है। वहीं, शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 1,932.81 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जिससे बाजार में सकारात्मक भावना बनी हुई है।

देश में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने तत्काल भूमि सुधार जरूरी: सीआईआई

- भारत में संपत्ति पंजीकरण की प्रक्रिया जटिल और महंगी

नई दिल्ली ।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने 2047 तक भारत को एक अग्रणी मैन्युफैक्चरिंग और निवेश केंद्र बनाने के लिए बड़े और तत्काल भूमि सुधारों की जरूरत पर बल दिया है। सीआईआई ने कहा कि जबकि देश ने कई क्षेत्रों में तेजी से सुधार किए हैं, भूमि संबंधित चुनौतियां औद्योगिक विकास में बाधा उत्पन्न कर रही हैं और निवेशकों को हतोत्साहित कर रही हैं।

सीआईआई के अनुसार, भारत का मजबूत नीतिगत ढांचा, विशाल घरेलू बाजार, युवा कार्यबल और औद्योगिक क्षमता इसे वैश्विक निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाते हैं। हालांकि, इन अवसरों का पूर्ण लाभ उठाने के लिए भूमि सुधार आवश्यक हैं। सीआईआई ने सुझाव दिया है कि केंद्र और राज्यों के बीच भूमि नीति के समन्वय के लिए जीएसटी जैसी परिषद बनाई जाए, क्योंकि भूमि प्रशासन राज्य के अधिकार क्षेत्र में आता है। औद्योगिक भूमि बैंक को केवल सूचना टूल से अपग्रेड कर एक डिजिटल राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म बनाना चाहिए, जो सीधे डिजिटल माध्यम से भूमि आवंटन करे। भारत में संपत्ति पंजीकरण की प्रक्रिया जटिल और महंगी है।

इसमें नौ प्रक्रियाएं शामिल हैं, 58 दिन लगते हैं और लागत लगभग 8 फीसदी होती है, जबकि न्यूजीलैंड जैसे देशों में यह प्रक्रिया केवल 3.5 दिनों में पूरी हो जाती है। सीआईआई ने प्रत्येक राज्य में आवंटन, बदलाव, विवाद समाधान और जोनिंग के लिए एकीकृत भूमि प्राधिकरण स्थापित करने की भी सिफारिश की है। इसके अलावा, भूमि उपयोग बदलाव को डिजिटल बनाने, स्टाम्प शुल्क को सभी राज्यों में 3-5 प्रतिशत तक युक्तिसंगत करने और भूमि विवादों को कम करने के लिए निर्णायक भूमि स्वामित्व बदलाव की जरूरत पर जोर दिया गया है। सीआईआई ने कहा कि भूमि विवादों के कारण निवेशकों को अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है, जिसे कम करना जरूरी है। सीआईआई का मानना है कि इन सुधारों से भारत 2047 तक वैश्विक औद्योगिक और निवेश केंद्र के रूप में स्थापित हो सकता है।

टाटा समूह के शीर्ष अधिकारियों के वेतन में औसतन 19 फीसदी वृद्धि

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 2025 में टाटा समूह की विभिन्न कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के वेतन में औसतन 19.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। समूह की वार्षिक रिपोर्ट्स से यह साफ होता है कि वेतन वृद्धि मुख्य रूप से कंपनियों के बेहतर मुनाफे, प्रदर्शन आधारित बोनस, और रणनीतिक जिम्मेदारियों के विस्तार के कारण हुई है। उपभोक्ता उत्पाद, आतिथ्य और तकनीक क्षेत्र की कंपनियों में वेतन वृद्धि सबसे अधिक रही। ट्रेंट के एमडी का वेतन लगभग दोगुना होकर 13.5 करोड़ हो गया, जबकि टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के सीईओ का वेतन 28.4 फीसदी बढ़कर 13 करोड़ हुआ। इंडियन होटल्स के एमडी पुनीत चटवाल का वेतन 19.2 फीसदी बढ़कर 23 करोड़ पर पहुंच गया। तेजस नेटवर्क्स के सीईओ का वेतन सबसे अधिक 343 फीसदी की वृद्धि के साथ 16.8 करोड़ हो गया। हालांकि कंपनी ने स्पष्ट किया कि पिछले वर्ष के आंकड़ों में वैरिएबल वेतन शामिल नहीं था। आईटी सेक्टर में, टीसीएस के सीईओ का वेतन मात्र 4.6 फीसदी बढ़कर 26.5 करोड़ हुआ, जबकि टाटा स्टील के एमडी का वेतन 0.9 फीसदी घटकर 17.3 करोड़ रहा। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि टाटा समूह में वेतन वृद्धि, क्षेत्रीय प्रदर्शन और नेतृत्व की जिम्मेदारियों के अनुरूप तय की जा रही है। नोएल टाटा की टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन के रूप में नियुक्ति से नेतृत्व स्तर पर बड़ा बदलाव भी देखने को मिला है।

शेयर बाजार की अस्थिरता के बीच म्युचुअल फंडों का इक्विटी निवेश जारी

- जुलाई 2025 में म्युचुअल फंडों ने 47,000 करोड़ रुपये से अधिक के शेयर खरीदे

नई दिल्ली ।

वैश्विक व्यापार के उतार-चढ़ाव के बावजूद म्युचुअल फंडों का इक्विटी में निवेश लगातार बढ़ रहा है। जुलाई 2025 में म्युचुअल फंडों ने 47,000 करोड़ रुपये से अधिक के शेयर खरीदे, जो पिछले महीने की तुलना में लगभग 8 फीसदी ज्यादा है। इस खरीदारी ने बाजार को आंशिक सहारा दिया, खासकर तब जब विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने लगभग 20,000 करोड़ रुपये की बिकवाली की। जुलाई माह में शेयर बाजार में काफी उथल-पुथल देखी गई। निफ्टी और सेंसेक्स दोनों प्रमुख सूचकांक करीब 3 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए, जिससे चार महीने की बढ़त का सिलसिला टूट गया। पिछले चार महीनों में ये सूचकांक लगभग 15 फीसदी बढ़ चुके थे। निफ्टी स्मॉलकैप 100 और निफ्टी मिडकैप 100 सूचकांकों में क्रमशः 6.7 फीसदी और 4 फीसदी की गिरावट आई। यह गिरावट पिछले चार महीनों की 20 फीसदी से अधिक की तेजी के बाद आई है। 2025 की पहली

सात महीनों में म्युचुअल फंडों ने इक्विटी में कुल 2.8 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया, जो कि 2024 की समान अवधि के 2.2 लाख करोड़ रुपये से काफी अधिक है। म्युचुअल फंडों की शुद्ध इक्विटी खरीद का पैमाना मुख्यतः इक्विटी और हाइब्रिड योजनाओं में निवेश तथा योजनाओं की नकदी होल्डिंग में बदलाव पर निर्भर करता है। हालांकि, ऐक्टिव इक्विटी योजनाओं में निवेश हाल के महीनों में कम हुआ है। पहली छमाही में शुद्ध निवेश औसतन 26,800 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले छह महीनों के 38,100 करोड़ रुपये से कम है। यह संकेत देता है कि निवेशक अब ज्यादा सतर्क होकर और सोच-समझ कर निवेश कर रहे हैं। कुल मिलाकर, बाजार की अस्थिरता के बावजूद म्युचुअल फंड इक्विटी निवेश में विश्वास बनाए हुए हैं, हालांकि निवेश की प्रकृति में संतुलन और सतर्कता बढ़ी है।

अमेरिका के 50 फीसदी शुल्क बढ़ाने पर भारत ने निर्यातकों के लिए उठाए कदम

नई दिल्ली ।

अमेरिका द्वारा भारत से आयातित उत्पादों पर 50 फीसदी शुल्क बढ़ाने की घोषणा के बाद भारत सरकार ने निर्यात क्षेत्र को हुए संभावित नुकसान से निपटने के लिए तुरंत कदम उठाना शुरू कर दिया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे प्रमुख निर्यातक राज्यों को श्रम-आधारित उद्योगों के लिए विशेष समर्थन देने का निर्देश दिया है। सरकार की एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अमेरिका की इस निर्णय से इन राज्यों में रोजगार पर गंभीर असर पड़ सकता है। इसलिए सरकार निर्यातकों को राहत देने के विकल्प तलाश रही है और संबंधित राज्यों को जल्द ही इसके लिए औपचारिक पत्र भी भेजेगी। वित्त वर्ष 2025 में भारत का कुल निर्यात 437 अरब डॉलर रहा, जिसमें गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी करीब तीन चौथाई थी। गुजरात का निर्यात पेट्रोलियम उत्पाद, अभियांत्रिकी सामान, रत्न एवं आभूषण, और परिधान में केंद्रित है। महाराष्ट्र में अभियांत्रिकी सामान, रत्न-आभूषण, रसायन, कृषि उत्पाद और परिधान का वर्चस्व रहा। वहीं, तमिलनाडु से अभियांत्रिकी सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा और चमड़ा निर्यात प्रमुख रहे हैं। शेष रूप से परिधान और चमड़ा से जुड़े उत्पादों को अमेरिकी शुल्क वृद्धि से सबसे ज्यादा नुकसान होने की आशंका है। निर्यातकों ने भी इस कदम को गंभीर चुनौती बताया है। सरकार ने एक तीन-सूत्री रणनीति तैयार की है, जिसमें 2,250 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्द्धन अभियान के तहत क्षेत्र-आधारित योजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा अधिशेष उत्पादों के लिए वैकल्पिक विदेशी बाजार खोजे जाएंगे और जो उत्पाद बचेंगे, उन्हें घरेलू बाजार में लगाया जाएगा।

जुलाई में किराना दुकानों और सुपरमार्केट में 3 अरब यूपीआई लेनदेन

नई दिल्ली ।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई 2025 में किराना दुकानों और सुपरमार्केट में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से तीन अरब से अधिक लेनदेन किए गए, जिनकी कुल राशि 64,881.98 करोड़ रही। यह पहली बार है जब एनपीसीआई ने इतनी विस्तृत श्रेणीवार जानकारी साझा की है।

एक समीक्षा से पता चलता है कि लेनदेन की मात्रा के आधार पर किराना और सुपरमार्केट की श्रेणी ने जुलाई में कुल पीयर-टु-मर्चेंट यूपीआई लेनदेन का लगभग एक चौथाई हिस्सा दर्ज किया।

वहीं ऋण वसूली एजेंसियां मूल्य के आधार पर शीर्ष पर रहीं, जिन्होंने 16.13 करोड़ लेनदेन के जरिये 93,857 करोड़ की वसूली की। यह दर्शाता है कि यूपीआई अब केवल खरीदारी तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि वित्तीय सेवाओं में भी इसका उपयोग बढ़ रहा है। जुलाई में यूपीआई के जरिए कुल 19.46 अरब लेनदेन हुए, जिनकी कुल राशि 25.08 लाख करोड़ रही। इनमें से 63.63 फीसदी लेनदेन व्यापारियों को किए गए, जबकि शेष व्यक्ति-से-व्यक्तिलेनदेन थे। व्यापारी लेनदेन की संख्या 12.38 अरब रही, जिनका मूल्य 7.34 लाख करोड़ रहा। यूपीआई से भुगतान की प्रमुख श्रेणियों में राशन, दवा, ईंधन, रेस्तरां, बिजली और अन्य जरूरी सेवाएं शामिल हैं। हर 10 में से 7 लेनदेन इन्हीं श्रेणियों में किए जाते हैं।

एनपीसीआई समय-समय पर ऐसे आंकड़े जारी करता है ताकि बैंक, फिनटेक और अन्य वित्तीय संस्थाएं डिजिटल भुगतान के बदलते रुझानों को समझ सकें और अपनी रणनीतियां तय कर सकें।

अगस्त में ही कार कंपनियों ने दी भारी छूट

नए मॉडल से पहले स्टॉअगस्त में ही कार कंपनियों ने दी भारी छूट

नई दिल्ली ।

कार कंपनियों ने त्योहारों से पहले अपने पुराने स्टॉक को निकालने के लिए अगस्त में ही भारी छूट देना शुरू कर दिया है। रक्षाबंधन और गणेश चतुर्थी जैसे त्योहारों को ध्यान में रखते हुए कंपनियां यात्रियों को आकर्षित करने के लिए 40,000 से 1 लाख तक की छूट दे रही हैं। इस बार कंपनियां मुख्य रूप से कम बिकने वाले मॉडलों और पिछले मॉडल-वर्ष की कारों पर छूट दे रही हैं। लोकप्रिय हैचबैक और सिडान कारों पर 40,000 से 80,000 तक का लाभ मिल रहा है, जबकि चुनिंदा एसयूवी और एमपीवी पर 1 लाख से अधिक की छूट दी जा रही है। डीलरों का कहना है कि यह रणनीति बढ़ती ब्याज दरों और कमजोर मांग के बीच ग्राहकों को राहत देने के लिए अपनाई गई है। जुलाई में कारों की बिक्री में मामूली मासिक बढ़त जरूर हुई, लेकिन पिछले साल की तुलना में गिरावट आई है। अब सभी मॉडलों पर नहीं बल्कि चुनींदा कारों पर टारगेटेड ऑफर दिए जा रहे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि कंपनियां

लाभप्रदता बनाए रखते हुए बिक्री बढ़ाने पर ध्यान दे रही हैं। सितंबर से नवंबर के बीच यदि खुदरा मांग में सुधार होता है तो साल के अंत तक इन छूटों में कटौती संभव है। खरीदारों के लिए अभी कार खरीदना फायदेमंद साबित हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हरमनप्रीत ने विश्व कप से पहले बताई योजना, युवराज सिंह बोले- शुरू से ही चैंपियन बनने के बारे में ना सोचें

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम मिथक तोड़कर अगले महीने शुरू हो रहे एकदिवसीय महिला विश्व कप में आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ट्रॉफी का सूखा खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अभी तक कोई विश्व खिताब नहीं जीत पाई है हालांकि कुछ अवसरों पर वह इसके करीब पहुंची थी। इसमें 2017 में इंग्लैंड में खेला गया वनडे विश्व कप भी शामिल है जिसमें भारत उपविजेता रहा था।

हरमनप्रीत ने वनडे विश्व कप ट्रॉफी के अनावरण समारोह में कहा, 'हम उस मिथक को तोड़ना चाहते हैं जिसका सभी भारतीय इंतजार कर रहे हैं। विश्व कप हमेशा खास होता है। मैं हमेशा अपने देश के लिए कुछ खास करना चाहती हूं। जब भी मैं युवी भैया (युवराज सिंह) को देखती हूं तो मुझे काफी प्रेरणा मिलती है।'

इस अवसर पर पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह, पूर्व कप्तान मिताली राज और हरमनप्रीत की टीम की साथी स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स भी उपस्थित थे। भारतीय टीम का हाल में प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है। उसने इंग्लैंड दौरे में टी20 और वनडे श्रृंखला जीती थी। वह 30 सितंबर से शुरू होने वाले विश्व कप से पहले 14 सितंबर से खिताब की प्रबल दावेदार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैच की घरेलू श्रृंखला खेलेगी और हरमनप्रीत ने कहा कि इससे उनकी टीम को खुद को परखने का मौका मिलेगा।

हरमनप्रीत ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है और हमें इससे अपनी स्थिति का पता चलता है। यह श्रृंखला (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे) हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा। हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं जिसके परिणाम सामने आ रहे हैं।' हरमनप्रीत ने 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 171 रन की जोरदार पारी खेल कर अपनी टीम को जीत दिलाई थी। उस पारी की यादें अब भी उनके जेहन में ताजा हैं।

उन्होंने कहा, 'वह पारी मेरे और महिला क्रिकेट के लिए वाकई बहुत खास थी। उस पारी के बाद मेरे लिए बहुत कुछ बदल गया। हम भले ही फाइनल में हार गए थे लेकिन जब हम वापस लौटे तो बहुत सारे लोग हमारा इंतजार कर रहे थे और हमारा उत्साह बढ़ा रहे थे। मैं उसे याद करके आज भी रोमांचित हो जाती हूं।' वनडे विश्व कप 2011 के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे युवराज ने कहा कि खिलाड़ियों को यह विश्वास रखना होगा कि वे देश के लिए मैच जीत सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं कहूंगा कि परिस्थिति के अनुसार खेलें, अपेक्षा के अनुसार नहीं और वर्तमान में बने रहें।'

युवराज ने कहा, 'यह इतिहास रचने का शानदार मौका है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप शुरू से ही चैंपियन बनने के बारे में सोचने लग जाओ। आपको इस पूरी प्रक्रिया को महसूस करना होगा कि हमने कड़ी मेहनत की है और परिणाम हमारे अनुकूल रहेंगे। आपको खुद पर भरोसा रखना होगा और यह विश्वास बनाए रखना होगा कि आप देश के लिए मैच जीत सकते हैं।'

रोड्रिग्स और मंधाना दोनों ने कहा कि तैयारियों के मामले में टीम के रवैये में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। रोड्रिग्स ने कहा, 'मेरी तैयारी और मानसिकता में बहुत कुछ बदल गया है। अच्छी तैयारी से मेरा आत्मविश्वास बढ़ता है।' मंधाना ने कहा,

'हमारी पूरी टीम उस दिशा में बढ़ रही है जहां हमें पता है कि हमें मैदान के बाहर बहुत मेहनत करनी होगी और जब हम मैदान पर उतरते हैं, तो हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।' मिताली ने कहा कि 2017 विश्व कप महिला क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण मोड़ था। उन्होंने कहा, 'विश्व कप 2017 ने वास्तव में न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर महिला क्रिकेट को बदल दिया, क्योंकि सोशल मीडिया अपेक्षाकृत नया था (और) आईसीसी ने बड़े पैमाने पर प्रचार करने में अपनी भूमिका निभाई थी।'

आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता ने कहा कि 30 सितंबर से शुरू होने वाला यह विश्व कप महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। गुप्ता ने कहा, 'यहां एक बड़ी तस्वीर है जो इस बात से जुड़ी है कि देश के लिए इसका क्या मतलब है। महिला क्रिकेट का विकास कई मायनों में देश की प्रगति का प्रतिबिंब है। पिछले कुछ वर्षों में महिला क्रिकेट ने बहुत प्रगति की है और यह विश्व कप उसे नई ऊंचाई पर ले जाने का आधार बन सकता है।'

अक्षर पटेल से छिन सकती है टी20 टीम की उप-कप्तानी, एशिया कप 2025 से पहले इसे मिलेगा मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। अक्षर पटेल को इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए सूर्यकुमार यादव की जगह उप-कप्तानी सौंपी गई थी। लेकिन एक रिपोर्ट के अनुसार आगामी एशिया कप के लिए उनके हाथों से टी20 टीम की उप-कप्तानी छिन सकती है। गुजरात के इस ऑलराउंडर ने बल्ले से तो कुछ खास कमाल नहीं दिखाया, लेकिन उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ गेंद से अच्छा प्रदर्शन किया और 5 मैचों में 16.50 की औसत से छह विकेट लिए।

एक रिपोर्ट के अनुसार आगामी एशिया कप के लिए भारतीय टी20 टीम में सूर्यकुमार यादव की जगह शुभमन गिल को उप-कप्तान बनाया जा सकता है। एशिया कप 9 सितंबर से 28 सितंबर तक यूएई में खेला जाएगा। शुभमन ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत का नेतृत्व किया था। पंजाब के इस बल्लेबाज ने सीरीज में 10 पारियों में 75.40 की औसत से सबसे ज्यादा 754 रन बनाए। भारत ने सीरीज 2-2 से बराबर करने के लिए काफी साहस और दृढ़ संकल्प दिखाया।

दिलचस्प बात यह है कि शुभमन ने जुलाई 2024 के बाद से टी20आई क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने 21 टी20आई में 30.42 की औसत और 139.28 के स्ट्राइक रेट से 578 रन बनाए हैं। शुभमन की टीम में वापसी से अभिषेक शर्मा की शीर्ष क्रम में जगह खतरे में पड़ सकती है। संजू सैमसन के विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में खेलने और पारी की शुरुआत करने की उम्मीद है। आईपीएल में सलामी बल्लेबाजी करने वाले शुभमन भी शीर्ष क्रम में उनके साथ शामिल हो सकते हैं। यशस्वी जायसवाल भी टीम में जगह बनाने की दौड़ में हैं।

रोहित और विराट से आगे बढ़कर युवाओं को अवसर दें चयनकर्ता : देवांग

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर और चयनकर्ता रहे देवांग गांधी ने कहा है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली का भारतीय क्रिकेट में अहम योगदान रहा है। इसमें किसी को भी कोई संदेह नहीं है पर भविष्य को देखते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) रोहित शर्मा और विराट कोहली से आगे निकलकर युवाओं को अवसर दे। देवांग के अनुसार रोहित और विराट ने भारतीय क्रिकेट को काफी आगे पहुंचाया है पर समय किसी का इंतज़ार नहीं करता। देवांग ने कहा, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, साई सुदर्शन जैसे युवाओं को आप बाहर कैसे रख सकते हैं। इस खिलाड़ियों ने साबित किया है कि वे हर प्रकार के हालातों में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। साथ ही कहा कि जब एक बार जब कोई खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर लेता है और उसके पास काफी बेहतर क्षमता आ जाती है जिसका लाभ उसे एकदिवसीय में मिलता है। इसलिए यह बहुत जरूरी है कि चयनकर्ता और टीम प्रबंधन एक साथ मिलकर कोई फैसला लें। ये भी देखा जाना चाहिये कि अगर रोहित और विराट को रखा जाता है तो क्या वे अगले दो साल तक खेल सकते हैं। गांधी ने कहा, अगर एक साल में हम ऐसी स्थिति में आ जाते हैं जहां उनमें से कोई एक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा है तो हमारे पास उसके जगह किसी और को शामिल करने का विकल्प होना चाहिये। कप्तानी का सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है और चयनकर्ताओं को इस पर फैसला लेना होगा। शुभमन पहले ही टेस्ट मैचों में कप्तानी के लिए अपने को साबित कर चुके हैं और अपनी मौजूदा फॉर्म को देखते हुए, वह अभी देश के सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज हैं, जिनका औसत 59.04 और स्ट्राइक रेट 99.56 है।

इंग्लैंड दौरे पर इसलिए नहीं गए मोहम्मद शमी, बीसीसीआई चयनकर्ताओं ने की खिलाड़ी से थी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज़ मोहम्मद शमी बार-बार चोटों से जूझ रहे हैं जिससे उनके करियर के खत्म होने का खतरा मंडरा रहा है। फिटनेस संबंधी चिंताओं के कारण शमी को इंग्लैंड के खिलाफ भारत की 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए नहीं चुना गया था। अब नई रिपोर्ट्स सामने आई हैं, जिनमें कहा गया है कि इंग्लैंड जाने वाली टीम के चयन से पहले अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली बीसीसीआई चयन समिति ने शमी से सलाह भी ली थी। हालांकि तेज गेंदबाज़ खुद अपनी फिटनेस को लेकर आश्वस्त नहीं थे।

एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई के एक अंदरूनी सूत्र ने कहा, 'सबसे पहले, उन्हें खराब फॉर्म के कारण टीम से बाहर नहीं किया गया। फिटनेस संबंधी समस्या ही एकमात्र कारण है जिसकी वजह से वह इंग्लैंड नहीं जा सके।' शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की 5 मैचों की सीरीज में भी शामिल नहीं थे, लेकिन फिटनेस को लेकर उनके मन में चल रहे संशय के कारण ही उन्हें इंग्लैंड जाने वाली टीम में जगह नहीं मिली।

रिपोर्ट के अनुसार सूत्र ने आगे कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे में न खेल पाने के बाद इंग्लैंड सीरीज के लिए उनकी उपस्थिति बेहद जरूरी थी। चयनकर्ताओं ने टीम चुनने से पहले उनसे बात भी की थी, लेकिन वह ज्यादा आश्वस्त नहीं दिखे। उनकी तरफ से वह जरूरी आश्वासन नहीं मिला जिसकी उन्हें जरूरत थी। यह भी जानना जरूरी है कि क्या शमी खुद लंबे प्रारूप में वापसी के इच्छुक हैं।'

शमी चयन की संभावना से पूरी तरह बाहर नहीं हैं, लेकिन उनका भारतीय टीम में भविष्य 28 अगस्त से शुरू हो रही दलीप ट्रॉफी में उनकी फॉर्म और फिटनेस पर निर्भर करता है। शमी के पूर्वी क्षेत्र की टीम का हिस्सा होने की उम्मीद है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा गया, 'हमें यह देखना होगा कि अगर ईस्ट जोन क्वार्टर फाइनल चरण पार कर लेता है और आगे भी प्रगति करता रहता है, तब भी क्या वह खेलेगा। क्या उसका शरीर, उसके घुटने और हैमस्ट्रिंग की चोट को देखते हुए

इसकी अनुमति देगा? रणजी मैच में वह एक स्पेल में तीन-चार ओवर फेंकता था और फिर मैदान से बाहर चला जाता था। इसलिए, क्या उसका शरीर कई दिनों तक चलने वाले मैच की कठिनाइयों को झेल पाएगा, यह एक पेचीदा सवाल है।'

किरमानी से मिलती है नई पीढ़ी को प्रेरणा : सिराज

हैदराबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज सैयद किरमानी की आत्मकथा लाइफ बिहाइंड ऐंड बियॉन्ड द ट्वेंटी टू यार्ड्स का हैदराबाद में विमोचन हुआ। किरमानी की आत्मकथा के विमोचन कार्यक्रम में मोहम्मद अजहरुद्दीन, मोहम्मद सिराज सहित कई हस्तियां शामिल हुईं। इस अवसर पर सिराज ने कहा कि 1983 विश्वकप विजेता टीम के सदस्य रहे किरमानी से नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है। सिराज ने कहा, सर जब आपने 1983 में विश्वकप जीता था तब हम पैदा तक नहीं हुए थे। इस दौरान सिराज ने कहा कि आपकी कहानी हौसला बढ़ाने वाली और प्रेरक है। मैंने कई खिलाड़ियों से सुना है कि विकेट के पीछे आपके रिफ्लेक्सेज असाधारण थे। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए सब कुछ देने के लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।' जवाब में इस पूर्व विकेटकीपर ने भी एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में शानदार गेंदबाजी के लिए सिराज की प्रशंसा की। किरमानी ने कहा, 'आपने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। मेरी तरफ से आपको बधाई। आपने देश को गौरव प्रदान किया है। वह आक्रामकता एकदम दिल से थी। मेरी कामना है कि आपको हर तरह की सफलता मिले।' पूर्व कप्तान अजहर ने भी किरमानी की तारीफ करते हुए कहा, यह महत्वपूर्ण है कि उन्होंने इसे हैदराबाद में भी रिलीज किया है। वह भविष्य में बहुत से विकेटकीपरों और क्रिकेटरों का मार्गदर्शन करेंगे। मैं निश्चित तौर पर सभी युवा विकेटकीपरों से उनके पास जाने की गुजारिश करूंगा क्योंकि मेरा मानना है कि वह एक बेहतरीन विकेटकपर रहे हैं।

फिटनेस टेस्ट के लिए एनसीए पहुंचे पंड्या सेंटर, पास होने पर ही एशिया कप खेल पाएंगे

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीए) पहुंचे। जहां अगले दो दिनों तक उनका फिटनेस टेस्ट होगा। इसमें पास होने पर ही वह अगले माह होने वाले एशिया कप में खेल पायेंगे। पंड्या ने 2024 टी-20 विश्व कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। एशिया कप 9 सितंबर से शुरु होगा। पंड्या से पहले बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने 27 से 29 जुलाई के बीच अपना फिटनेस टेस्ट पूरा किया था। श्रेयस ने दिसंबर 2023 से ही भारतीय टीम की ओर से कोई भी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। ऐसे में देखना है कि क्या चयनकर्ता उन्हें शामिल करते हैं या नहीं। वहीं भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव भी अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। सूर्यकुमार की जून में म्यूनिख में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी हुई थी। वह भी अगले एक सप्ताह तक एनसीए में ही रहेंगे और फिजियो-मेडिकल टीम की निगरानी में फिटनेस हासिल करने का प्रयास करेंगे। भारत की मेजबानी में यूएई में 9 से 28 सितंबर तक होने वाले टूर्नामेंट में भारतीय टीम को पाकिस्तान से भी 14 अक्टूबर को खेलना है। इस मैच का हालांकि काफी विरोध हो रहा और प्रशंसकों का कहना है कि टीम को पाक से नहीं खेलना चाहिये। दोनों टीमें टूर्नामेंट में तीन बार तक आमने-सामने आ सकती हैं एशिया कप में भारतीय टीम का पहला मुकाबला 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से होगा।

वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर सीरीज 1-1 से बराबर की

तरौबा (त्रिनिदाद एंड टोबैगो) (एजेंसी)। रॉस्टन चेज़ और जस्टिन ग्रीव्स की शानदार साझेदारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने सोमवार को (भारतीय समयानुसार) वर्षा बाधित दूसरे वनडे में पाकिस्तान को 10 गेंद शेष रहते पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली।

चेज़ ने 47 गेंदों पर नाबाद 49 रन बनाए, जिसमें दो छक्के और विजयी चौका शामिल था। वेस्टइंडीज ने 33.2 ओवर में पांच विकेट पर 184 रन बनाकर लक्ष्य हासिल किया। मेज़बान टीम को बारिश के कारण डीएलएस पद्धति से 35 ओवर में 181 रन का संशोधित लक्ष्य मिला था। पाकिस्तान की पारी 37 ओवर में सात विकेट पर 171 रन पर सिमटी। तेज़ गेंदबाज़ जेडन सील्स ने सात ओवर में 23 रन देकर तीन विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने 18वें ओवर तक तीन विकेट पर 101 रन बनाए थे, लेकिन 24वें ओवर तक स्कोर 111/5 हो गया। इस दौरान शेरफेन रदरफोर्ड 33 गेंदों पर 45 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें तीन छक्के और चार चौके शामिल थे। चेज़ और ग्रीव्स (31 गेंदों पर नाबाद 26) ने छठे विकेट के लिए 77 रनों की नाबाद साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई।

इससे पहले वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर गेंदबाज़ी चुनी। पाकिस्तान के लिए हसन नवाज़ ने 30 गेंदों पर नाबाद 36 रन बनाए, जिसमें तीन छक्के शामिल थे – दो छक्के आखिरी ओवर में आए, जिसके बाद बारिश ने खेल रोक दिया। हुसैन तलत ने 32 गेंदों पर 31 रन जोड़े। कप्तान मोहम्मद रिज़वान 38 गेंदों पर 16 रन बनाकर गुडकैश मोटी की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हुए।

गौरतलब है कि शुक्रवार को खेले गए पहले वनडे में पाकिस्तान ने भी वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया था। सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला मंगलवार को इसी मैदान पर खेला जाएगा। इससे पहले फ्लोरिडा में खेली गई टी20 सीरीज पाकिस्तान ने 2-1 से जीती थी।

बार्सिलोना ने कोमो को 5-0 से हराकर जीती जोआन गैम्पर ट्रॉफी

बार्सिलोना। मौजूदा स्पेनिश चैंपियन बार्सिलोना ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) इटली की टीम कोमो को 5-0 से मात देकर अपने प्री-सीज़न की तैयारी पूरी की और जोआन गैम्पर ट्रॉफी अपने नाम की। इस मैच ने गोलकीपर मार्क-आंद्रे टेर स्टेगन और क्लब के बीच रिश्तों में आई तल्खी को भी कम करने का संकेत दिया। मैच में फ़रमिन लोपेज़ और लामिन यामाल ने दो-दो गोल दागे, जबकि ब्राज़ीली राफिन्हा ने पहला गोल किया। यह मुकाबला जोहान क्रूइफ़ स्टेडियम में खेला गया, क्योंकि कैम्प नोउ के आधुनिकीकरण का काम अभी जारी है। हांसी फ़्लिक की टीम ने लीग खिताब बचाने की तैयारी में जबरदस्त लय दिखाई। मैच से पहले टेर स्टेगन ने पारंपरिक कप्तानी संबोधन किया। हाल ही में उनकी पीठ की चोट को लेकर क्लब से विवाद सामने आया था, लेकिन 33 वर्षीय जर्मन गोलकीपर ने कहा, 'क्लब और मेरे बीच मुद्दा सुलझाना ज़रूरी था, अब आगे देखने का समय है। हम सभी ट्रॉफियों के लिए फिर से लड़ेंगे और उम्मीद है आपकी मदद से सभी खिताब जीतेंगे।' दो दिन पहले ही उन्हें कप्तानी वापस सौंपी गई थी। बार्सिलोना ने इंग्लिश फॉरवर्ड मार्कस रैशफोर्ड को भी बतौर सब्स्टीट्यूट मौका दिया, जो दो हफ्ते पहले मैनचेस्टर यूनाइटेड से लोन पर टीम में शामिल हुए थे। रैशफोर्ड ने राफिन्हा के गोल में असिस्ट किया, लेकिन एक आसान मौके पर खाली गोल में गेंद डालने से चूक भी गए।

रोनाल्डो के दो गोल बेकार, प्री-सीजन फ्रेंडली में अलमेरिया ने अल नास्र को 3-2 से हराया

अलमेरिया (स्पेन) (एजेंसी)। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के शानदार दो गोल भी अल नास्र को हार से नहीं बचा सके। सऊदी प्रो लीग क्लब अल नास्र को रविवार को ला लीगा 2 की टीम यूडी अलमेरिया के खिलाफ प्री-सीजन फ्रेंडली मुकाबले में 2-3 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

मैच की शुरुआत में ही 6वें मिनट में सर्जियो अरीबास ने लियो बैप्टिस्टाओ के पास पर गोल कर अलमेरिया को बढ़त दिला दी। हालांकि, 11वें मिनट में आयमन यह्या और सादियो माने के बेहतरीन वन-टच पासिंग मूव पर रोनाल्डो ने पेनल्टी बॉक्स के भीतर से गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया।

पहले हाफ में ही रोनाल्डो ने अपना दूसरा गोल भी किया। गोलकीपर अल्वारो फर्नांडीज द्वारा बॉक्स में फाउल करने पर मिली पेनल्टी को उन्होंने आसानी से गोल में बदल दिया। इस तरह रोनाल्डो ने दो मैचों में कुल पांच गोल पूरे किए।

लेकिन अल नास्र के गोलकीपर नवाफ अल-अकीदी की एक बड़ी गलती ने टीम को मुश्किल में डाल दिया। बॉक्स से बाहर निकलकर पास काटने के प्रयास में उन्होंने गेंद सीधे एड्रियन एम्बार्बा को दे दी, जिसने खाली गोल में गेंद डालकर स्कोर बराबर कर दिया।

दूसरे हाफ में रोनाल्डो को सब्स्टीट्यूट करने के बाद अल नास्र का आक्रमण कमजोर पड़ गया। अलमेरिया के एम्बार्बा ने अरीबास के पास पर शानदार शॉट लगाकर टीम को निर्णायक बढ़त दिलाई। मैच के अंतिम मिनटों में जोआओ फेलिक्स को बराबरी का मौका मिला, लेकिन वह दाईं ओर से आए लो क्रॉस पर अंतिम टच नहीं दे सके और अल नास्र को हार का सामना करना पड़ा।

क्रिस्टल पैलेस ने लिवरपूल को पेनल्टी शूटआउट में हराकर जीता कम्युनिटी शील्ड का खिताब

लंदन। लंदन के वेम्बली स्टेडियम में रविवार को खेले गए कम्युनिटी शील्ड मुकाबले में क्रिस्टल पैलेस ने प्रीमियर लीग चैम्पियन लिवरपूल को 3-2 से पेनल्टी शूटआउट में हराकर खिताब अपने नाम किया। निर्धारित समय में मैच 2-2 से ड्रॉ रहा। गोलकीपर डीन हेंडरसन ने एक बार फिर अपनी पेनल्टी बचाने की शानदार क्षमता दिखाई, जैसा उन्होंने एफए कप फाइनल में भी किया था। सब्स्टीट्यूट जस्टिन डेवेनी ने निर्णायक पेनल्टी गोल कर पैलेस को जीत दिलाई। लिवरपूल की ओर से मोहम्मद सालाह ने पहली पेनल्टी बार के ऊपर मार दी, जबकि हेंडरसन ने एलेक्सिस मैक एलिस्टर और हार्वे एलियट के शॉट रोक दिए। मैच की शुरुआत में ही लिवरपूल ने बढ़त बनाई। चौथे मिनट में नए

खिलाड़ी ह्यूगो एकीटीके ने फ्लोरियन विट्ज़ के साथ बेहतरीन तालमेल के बाद गोल किया। 17वें मिनट में वर्जिल वान डाइक के फाउल पर मिले पेनल्टी को जीन-फिलिप माटेटा ने गोल में बदलकर पैलेस को बराबरी दिलाई। 20वें मिनट में जेरमी फ्रिमपोंग ने लिवरपूल के लिए दूसरा गोल किया, जो क्रॉस की कोशिश के दौरान पोस्ट से टकराकर गोल में चला गया। इसके बाद एकीटीके ने दूसरे हाफ में लिवरपूल की बढ़त बढ़ाने के दो मौके गंवाए।

आईपीएल 2026 खेलने पर धोनी ने दी बड़ी अपडेट, घुटनों में जो दर्द होता है उसका ख्याल कौन रखेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 सीजन को लेकर सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या एमएस धोनी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलने के लिए वापसी करेंगे या नही। घुटने के दर्द से लगातार जूझने के बावजूद लंबे समय से कप्तान रहे धोनी ने लगातार अपनी टीम को प्राथमिकता दी है और उन्हें पांच चैंपियनशिप दिलाई है। हालांकि आईपीएल 2025 में टीम अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर रही। जिससे यह अनिश्चित है कि धोनी एक खिलाड़ी के रूप में आईपीएल 2026 में खेलेंगे या नहीं।

धोनी ने हाल ही में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में अपने भविष्य को लेकर चल रही अटकलो पर बात की। अपनी योजनाओ पर चर्चा करते हुए 2011 विश्व कप विजेता कप्तान ने कहा कि आईपीएल 2026 में खेलने के बारे में फैसला लेने के लिए उनके पास अभी भी काफी समय है। उनकी इस टिप्पणी ने प्रशंसको और क्रिकेट पंडितो को यह देखने के लिए उत्सुक कर दिया है कि क्या वह एक और सीजन के लिए पीली जर्सी पहनेंगे।

धोनी ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि मैं खेलूंगा या नहीं। मेरे पास फैसला करने के लिए समय है। मेरे पास दिसंबर तक का समय है इसलिए मैं कुछ और महीने लूंगा और फिर आखिरकार मैं अपना फैसला ले पाऊंगा।' यह बातचीत तब हुई जब एक प्रशंसक ने उत्साह से चिल्लाते हुए कहा, 'आपको खेलना ही होगा, सर' और इस तरह एमएस धोनी ने वापसी की उनकी तीव्र इच्छा व्यक्त की। अपने भविष्य के बारे में पूछे गए सवालो का जवाब देते हुए, एमएस धोनी ने अपने घुटनो के दर्द को मजाकिया अंदाज में बताया। धोनी ने जवाब दिया, 'अरे, घुटनों में जो दर्द होता है, उसका ख्याल कौन रखेगा।'

गौर है कि 2023 में सीएसके की खिताबी जीत के बाद, धोनी ने मुंबई में घुटने की सर्जरी करवाई। वह पूरे सीजन में अपनी चोट से जूझते रहे और 2024 सीजन की शुरुआत से पहले खुद को ठीक होने के लिए पर्याप्त समय देने के लिए उन्होंने टूर्नामेंट के बाद सर्जरी करवाने का फैसला किया। पिछले दो आईपीएल सीजन में उनकी घुटने की चोट उनके बल्लेबाजी क्रम में एक अहम भूमिका निभाती रही है, क्योंकि विकेट के बीच उनकी गति में कमी के कारण उन्होंने लगातार निचले क्रम में बल्लेबाजी की है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डस्की स्किन वाली महिलाओं जरूर ट्राई करें ये मेकअप हैक्स, बढ़ जाएगी चेहरे की खूबसूरती

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद से कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनका इस्तेमाल करने से आप आसानी से डस्की स्किन को खूबसूरत बना सकती हैं। हम आपको डस्की स्किन पर मेकअप करने के लिए आप कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

हर महिला खूबसूरत दिखना चाहती हैं, जिसके लिए वह काफी प्रयास भी करती हैं। डस्की स्किन को खूबसूरत बनाने के लिए महिलाएं महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। अगर आपकी स्किन भी डस्की है, तो आप भी अपने चेहरे को खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए मेकअप करती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद से कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनका इस्तेमाल करने से आप आसानी से डस्की स्किन को खूबसूरत बना सकती हैं। हम आपको डस्की स्किन पर मेकअप करने के लिए आप कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

सही फाउंडेशन

मेकअप करने से पहले सही फाउंडेशन का चुनाव करना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में आप ऑरेंज या ब्राउन टोन फाउंडेशन का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह डस्की स्किन के लिए बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकता है।

कोरल शेड ब्लश

डस्की स्किन वाली लड़कियां कोरल शेड ब्लश का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह इस स्किन टोन वाली लड़कियों के लिए फायदेमंद हो सकता है। वहीं आंखों का मेकअप करने के लिए आप ब्लैक कलर के लाइनर का यूज कर सकती हैं। वहीं आप आईशैडो भी लाइट कलर को चुनें।

वॉर्म टोन लिपस्टिक

अगर आप लिपस्टिक के कलर को चुनने में कंफ्यूज हो रही हैं, तो डस्की स्किन वाली लड़कियां वॉर्म टोन वाली लिपस्टिक चुन सकती हैं। यह शेड्स आपके चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने में सहायता करते हैं।

न्यूड शेड कंपैक्ट पाउडर

मेकअप के समय जब भी आप कंपैक्ट पाउडर का इस्तेमाल करें, तो इसका शेड न्यूड ही रखें। यह कंपैक्ट पाउडर मेकअप को खास बनाने में मदद करेगा। डस्की स्किन वाली लड़कियों के लिए यह मेकअप टिप्स बहुत काम आएंगे।

रात में सोने से पहले चेहरे पर लगाएं एलोवेरा जेल, त्वचा को मिलेंगे ये जबरदस्त फायदे

दादी-नानी के जमाने से एलोवेरा जेल को त्वचा के लिए फायदेमंद माना जाता रहा है। आइए एलोवेरा जेल लगाने के कुछ कमाल के स्किन बेनिफिट्स के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

त्वचा के लिए फायदेमंद एलोवेरा जेल

क्या आप जानते हैं कि एलोवेरा जेल त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं से छुटकारा दिलाने में कारगर साबित हो सकता है? अगर आप सही तरीके से एलोवेरा जेल को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करते हैं, तो आप अपनी स्किन को फ्लॉलेस बना सकते हैं। हर रोज रात में सोने से पहले फेस वॉश कीजिए और फिर साफ चेहरे पर एलोवेरा जेल लगाइए। महज कुछ ही हफ्तों के अंदर आपको खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर दिखाई देने लगेगा।

सुधारे चेहरे की रंगत

एलोवेरा जेल में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी त्वचा की डीप क्लीनिंग करने में मददगार साबित हो सकते हैं। हर रोज एलोवेरा जेल यूज करने से त्वचा की रंगत काफी हद तक सुधर सकती है। अगर आप अपनी डल स्किन से छुटकारा पाना चाहते हैं और अपनी स्किन को ग्लोइंग बनाना चाहते हैं, तो हर रोज एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करना शुरू कर दीजिए।

दूर हो जाएंगे दाग-धब्बे

क्या आपके चेहरे पर अक्सर दाग-धब्बे या फिर मुंहासे निकल आते हैं? अगर हां, तो आपको अपने स्किन केयर रूटीन में एलोवेरा जेल को जरूर शामिल करना चाहिए। औषधीय गुणों से भरपूर एलोवेरा जेल दाग-धब्बे और मुंहासे की समस्या को दूर करने में असरदार साबित हो सकता है। इसके अलावा एलोवेरा जेल टैनिंग की समस्या से छुटकारा दिलाने में भी कारगर साबित हो सकता है।

त्वचा के लिए वरदान

रेगुलरली एलोवेरा जेल यूज करके झुर्रियों और फाइन लाइन्स को कम किया जा सकता है। जलन और खुजली जैसी स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम्स से छुटकारा पाने के लिए भी एलोवेरा जेल का इस्तेमाल किया जा सकता है। एलोवेरा जेल में विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट्स समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है, जो आपकी त्वचा के लिए वरदान साबित हो सकती है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए ध्यान रहे कि एलोवेरा जेल फ्रेश और केमिकल फ्री होना चाहिए।

दीवार और छत की काई हटाने का आसान तरीका, ये 4 घरेलू नुस्खे हैं फायदेमंद

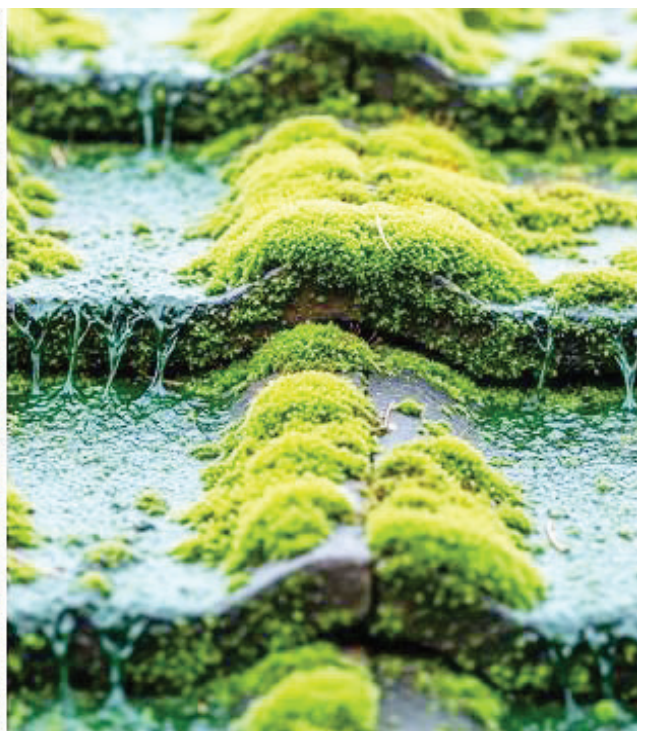

जब बारिश का मौसम आता है तो ठंडी हवा और हरियाली से हर कोई खुश हो जाता है। बारिश की वजह से वातावरण में सुकून और ताजगी भी महसूस होती है। लेकिन कुछ ही दिनों में यही बारिश कई तरह की परेशानियां लेकर आती है। उन परेशानियों में से एक बड़ी समस्या है घर की दीवारों और छतों पर काई लगना। हरे रंग की काई न केवल देखने में खराब लगती है, बल्कि दीवारों को नुकसान भी पहुंचाती है। इसके अलावा काई फिसलन भरी होती है, जिससे गिरने का खतरा भी बढ़ जाता है। अक्सर लोग इस समस्या से निजात पाने के लिए नींबू और नमक का देसी नुस्खा इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इसके अलावा भी कुछ और घरेलू उपाय हैं जिनकी मदद से आप घर की दीवारों और छतों की काई आसानी से साफ कर सकते हैं।

नींबू और नमक का देसी नुस्खा

नींबू और नमक का पेस्ट बनाना बहुत आसान है। सबसे पहले एक कटोरे में नींबू का रस लें और उसमें नमक डालकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को सीधे काई वाली जगह पर अच्छी तरह लगाएं। इसे 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें ताकि नींबू का एसिड और नमक का खुरदुरापन काई को ढीला कर सके। अब एक कड़े ब्रश या स्क्रबर की मदद से अच्छी तरह रगड़कर काई को साफ करें। इसके बाद पानी से धो लें। यह तरीका बहुत प्रभावी होता है क्योंकि नींबू का एसिड और नमक मिलकर काई को हटाने में मदद करते हैं।

बेकिंग सोडा और विनेगर का पेस्ट

अगर आप कोई और तरीका अपनाना चाहते हैं तो बेकिंग सोडा और विनेगर का पेस्ट भी बहुत अच्छा काम करता है। इसके लिए बेकिंग सोडा और विनेगर को मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं। यह पेस्ट लगाने पर झाग बनेगा, जो सामान्य है। इसे काई वाली जगह पर 30 मिनट से 1 घंटे तक लगा रहने दें। फिर एक ब्रश की मदद से रगड़कर पानी से साफ कर लें। विनेगर में मौजूद एसिटिक एसिड और बेकिंग सोडा के क्षारीय गुण मिलकर काई को असरदार तरीके से हटाते हैं।

ब्लीच और पानी का घोल

ब्लीच काई और फंगस को मारने के लिए सबसे तेज़ और असरदार तरीका है। लेकिन इसका इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतनी बहुत जरूरी है। एक बाल्टी में 1 हिस्सा ब्लीच और 3-4 हिस्से पानी मिलाकर घोल तैयार करें। इसे स्प्रे की मदद से या ब्रश से काई वाली जगह पर लगाएं। 15-20 मिनट के बाद ब्रश से रगड़कर पानी से धो लें। ध्यान रखें कि ब्लीच लगाते समय दस्ताने और मास्क जरूर पहनें ताकि आपकी त्वचा और सांस सुरक्षित रहे।

टी ट्री ऑयल और पानी का स्प्रे

टी ट्री ऑयल एक प्राकृतिक एंटी-फंगल है, जो हल्की काई के लिए बहुत कारगर है। इसे इस्तेमाल करना भी बहुत आसान है। एक स्प्रे बोतल में एक कप पानी लें और उसमें 10-15 बूंदें टी ट्री ऑयल डालें। इसे अच्छी तरह मिलाएं और फिर इस मिश्रण को काई वाली जगह पर छिड़क दें। छिड़काव के बाद इसे सूखने दें। इस प्रक्रिया में रगड़ने या धोने की जरूरत नहीं होती। टी ट्री ऑयल धीरे-धीरे काई को बढ़ने से रोकता है और खत्म भी कर देता है।

डिटर्जेंट और गर्म पानी

अगर काई मामूली हो तो डिटर्जेंट और गर्म पानी का घोल भी एक आसान और असरदार उपाय है। एक बाल्टी में गर्म पानी लें और उसमें कोई भी लॉन्ड्री डिटर्जेंट या डिशवॉश लिक्विड डालकर घोल बनाएं। इस घोल को काई वाली जगह पर स्प्रे करें या ब्रश से लगाएं। 15-20 मिनट बाद ब्रश से रगड़कर साफ करें और फिर पानी से धो लें। डिटर्जेंट गंदगी और चिकनाई को ढीला करने में मदद करता है, जिससे काई आसानी से हट जाती है।

सावधानियां और सुझाव

काई साफ करते समय हमेशा दस्ताने पहनें ताकि हाथों को नुकसान न पहुंचे।

ब्लीच या विनेगर जैसे तेज़ रसायनों का इस्तेमाल खुली हवा में करें।

अगर दीवारें बहुत ज्यादा खराब हो गई हैं तो पेशेवर मदद लेना बेहतर होता है।

नियमित सफाई से भी काई लगने से बचाव हो सकता है।

बारिश के मौसम में काई की समस्या को नजरअंदाज न करें। ऊपर बताए गए ये घरेलू नुस्खे आजमाकर आप अपने घर की दीवारों और छत को साफ और सुरक्षित रख सकते हैं। इससे आपका घर सुंदर दिखेगा और गिरने-फिसलने का खतरा भी कम होगा।

अलसी है बालों के लिए बेहद फायदेमंद

एक साथ देती है कई फायदे, बस जान लें इस्तेमाल का सही तरीका

अगर आप तेज़ी से बाल बढ़ाना चाहते हैं, तो अलसी के बीज आपके लिए कमाल कर सकते हैं। इनमें विटामिन बी, मैग्नीशियम, मैंगनीज, सेलेनियम और ओमेगा 3 फैटी एसिड होते हैं। ये सभी पोषक तत्व बालों को झड़ने से रोकते हैं और उन्हें बढ़ने में मदद करते हैं।

अलसी है बालों के लिए बेहद फायदेमंद

अगर आप तेज़ी से बाल बढ़ाना चाहते हैं, तो अलसी के बीज आपके लिए कमाल कर सकते हैं। इनमें विटामिन बी, मैग्नीशियम, मैंगनीज, सेलेनियम और ओमेगा 3 फैटी एसिड होते हैं। ये सभी पोषक तत्व बालों को झड़ने से रोकते हैं और उन्हें बढ़ने में मदद करते हैं। सबसे खास बात, अलसी के बीजों से बना जेल बालों की कोशिकाओं को खोलकर उनके विकास को बढ़ावा देता है। आइए, जानते हैं इसके फ़ायदे और इसे बनाने का तरीका।

बालों के लिए अलसी के जेल के फ़ायदे

झड़ते बालों में फ़ायदेमंद : अलसी के बीज विटामिन ई का एक बड़ा स्रोत हैं, जो बालों के विकास में मदद करता है। इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण बालों को झड़ने से रोकते हैं और स्कैल्प को नुकसान से बचाते हैं।

बालों को पोषण देता है : अलसी ओमेगा 3 फैटी एसिड से भरपूर होती है। ये फैटी एसिड बालों के विकास को बढ़ावा देते हैं। सबसे पहले, ये फैटी एसिड बालों के रोमछिद्रों को पोषण देते हैं और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। इससे बाल कम खराब होते हैं और स्वस्थ रहते हैं। पीएच स्तर को संतुलित रखता है : तेज़ी से बाल बढ़ाने के लिए स्कैल्प के पीएच स्तर को संतुलित रखना बहुत ज़रूरी है। अलसी का जेल इसमें आपकी मदद कर सकता है और स्कैल्प को शांत करता है। यह तेल बनाने वाली ग्रंथियों को प्रभावित करता है, जिससे सही मात्रा में तेल बनता है और बाल स्वस्थ रहते हैं। इससे बाल तेज़ी से बढ़ने लगते हैं।

अलसी का जेल कैसे बनाएं?

बालों के लिए अलसी का यह जेल आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। बस इन बातों का ध्यान रखें। एक बर्तन में 2 कप साफ़ पानी और आधा कप अलसी के बीज डालकर, गाढ़ा होने तक उबालें। जब यह गाढ़ा होने लगे, तो 1-2 टेबलस्पून नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला लें। जब यह जेल जैसा दिखने लगे, तो आंच बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें। ठंडा होने पर यह और गाढ़ा हो जाएगा। ठंडा होने के बाद, आप इस जेल को एक कंटेनर में स्टोर कर सकते हैं। इस अलसी के हेयर जेल को बालों में लगाएं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीबीएसई का बड़ा फैसला, अब किताबें लेकर परीक्षा दे सकेंगे छात्र

मुंबई (एजेंसी)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) छात्रों के सीखने के अनुभव को और प्रभावी बनाने के लिए एक बड़ा बदलाव कर रहा है। बताया जा रहा है कि अब, छात्रों को परीक्षा देते समय किताबें अपने सामने रखने की अनुमति होगी। उम्मीद है कि यह ओपन बुक एग्जाम पद्धति छात्रों की रटने की आदत को कम करके अवधारणाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगी। इस नई पद्धति के तहत, छात्रों को परीक्षा में अपनी पाठ्यपुस्तकें, नोट्स और अन्य संदर्भ सामग्री अपने साथ रखने की अनुमति होगी। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे केवल किताब देखकर ही उत्तर दे पाएँगे। इस परीक्षा में प्रश्न इस तरह से डिज़ाइन किए जाएँगे कि छात्रों को केवल रटने के बजाय, अवधारणाओं की अपनी गहरी समझ के आधार पर विश्लेषण और सही उत्तर ढूँढना होगा। इससे छात्रों की सोचने की क्षमता विकसित होने की उम्मीद है। सीबीएसई बोर्ड ने दिसंबर 2024 में इस नई पद्धति का एक पायलट अध्ययन किया था। इसमें कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों के लिए ओपन बुक असेसमेंट आयोजित किया गया था। इस अध्ययन में छात्रों की प्रतिक्रिया सकारात्मक रही। छात्रों ने बताया कि इस पद्धति से उन्हें याद करने का बोझ कम हुआ और विषय की गहरी समझ विकसित हुई। शिक्षकों और अभिभावकों ने भी इस पद्धति पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। इस फैसले से सीबीएसई को उम्मीद है कि छात्रों का मूल्यांकन केवल याद करने के आधार पर नहीं, बल्कि अवधारणाओं की उनकी समझ के आधार पर होगा। माना जा रहा है कि इससे छात्रों की शिक्षा और भी सार्थक होगी।

आवारा कुत्तों के मामले में सुनवाई... सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा- कुत्तों को पकडक़र शेल्टर होमे भेजें

-पकडऩे में जो भी अड़ंगा डाले, उसके खिलाफ भी एक्शन लें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों के बढ़ते खतरे पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर के नागरिक प्रशासन को सख्त निर्देश जारी किए हैं, जिनमें आवारा कुत्तों को पकडऩे, उनकी नसबंदी करने और उन्हें आश्रय गृह में रखने के निर्देश शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि अगर कोई व्यक्ति या संगठन आवारा कुत्तों के खिलाफ कार्रवाई में अड़ंगा डालता है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई करें। लोगों पर आवारा कुत्तों के हमलों और रेबीज संक्रमण के कई मामले सामने आने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने स्वत-संज्ञान लेकर इस मामले पर सुनवाई शुरू की थी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने सोमवार को सुनवाई के दौरान कहा कि एनसीटी-दिल्ली, एमसीडी, एनएमडीसी तुरंत आवारा कुत्तों को पकडऩे के लिए अभियान शुरू करें और खासकर उन इलाकों में जहां आवारा कुत्तों का खतरा ज्यादा है। पीठ ने स्थानीय निकायों को निर्देश दिया कि 8 हफ्तों में वे आवारा कुत्तों को रखने के लिए आश्रय स्थल बनाने की जानकारी दें।

पंजाब में अकाली दल दोफाड़- अकाल तख्त कमेटी ने ज्ञानी हरप्रीत सिंह को प्रधान बनाया

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब की पंथक राजनीति में सोमवार को बड़ा बदलाव हुआ। श्री अकाल तख्त की गठित शिरोमणि अकाली दल दोफाड़ हो गई है। अकाल तख्त की भर्ती कमेटी ने नई पंथक पार्टी का गठन किया है, जिसका लीडर पूर्व जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह को बनाया गया है। वहीं, बीबी सतवंत कौर को पंथक कमेटी का चेयरपर्सन घोषित किया गया है। 5 मेंबरी कमेटी ने एक पंथक और दूसरा सियासी धड़ा बनाया है। सियासी पार्टी को प्रधान ज्ञानी हरप्रीत सिंह संभालेंगे। वहीं, बीबी सतवंत कौर पंथक कमेटी को संभालेंगी। दोनों अलग-अलग काम करेंगे। ये धड़े सुखबीर बादल की सियासी पार्टी शिरोमणि अकाली दल और पंथक शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के समानांतर काम करेंगे। इस मौके पर ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कहा कि बादल कोई चुनौती नहीं है। अकाल तख्त ने बागी गुट के साथ मिलकर बुर्ज अकाली बाबा फूला सिंह गुरुद्वारे में पंथक इकट्ठे किए थे, जिसमें सदस्यता अभियान पूरा होने के बाद नए प्रधान की घोषणा की गई। सूत्रों के अनुसार, नई पार्टी की कमान ज्ञानी हरप्रीत सिंह के हाथ में जाने से सुखबीर बादल की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

बिहार में अब बिल्ली के नाम पर आवासीय प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन, जांच के आदेश

पटना (एजेंसी)। बिहार में कुत्तों के लिए आवासीय प्रमाण पत्र के आवेदनों के बाद, रोहतास में एक बिल्ली के नाम पर आवासीय प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन किया गया। आवेदक का नाम कैट कुमार, जिसमें पिता के रूप में कैटी बॉस और माता के रूप में कैटिया देवी लिखा था। रोहतास की जिलाधिकारी (डीएम) उदिता सिंह के निर्देश पर, नासरीगंज के राजस्व अधिकारी कौशल पटेल ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। मामले की जाँच की जा रही है। इससे पहले 30 जुलाई को, इसी तरह की एक घटना में, डोगेश बाबू के नाम से एक कुत्ते की तस्वीर के साथ आवासीय प्रमाण पत्र के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था, जिसके बाद नवादा के जिलाधिकारी ने कार्रवाई का आदेश दिया था। डीएम ने स्थानीय पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने और मामले की गहन जाँच करने का निर्देश दिया है। एक व्यक्ति ने अपने पालतू कुत्ते, डोगेश बाबू, के लिए आवासीय प्रमाण पत्र के अनुरोध हेतु सिरदला आरटीपीएस (लोक सेवा का अधिकार) कार्यालय में एक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन में एक पालतू कुत्ते की तस्वीर भी है। मामला सामने आने पर ज़िलाधिकारी रवि प्रकाश ने गंभीरता से लेकर संबंधित अधिकारियों को जाँच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। डीएम प्रकाश ने कहा कि प्रशासनिक प्रक्रियाओं से इस तरह की छेड़छाड़ किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लिखा, नकलची... या यूँ कहें कि नकलची, रजौली के सिरदला से निवास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करते पकड़े गए। घटिया और घटिया हास्य-व्यंग्य के लिए एफ़आईआर दर्ज हो रही है।

कई सांसादों को लेकर जा रहा एयर इंडिया का विमान हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमानों की समस्याएं आए दिन दिखाई दे रही है। इसी बीच कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल समेत कई सांसदों को तिरुवनंतपुरम से नई दिल्ली लेकर आ रही एयर इंडिया की एक उड़ान तब हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गई, जब रविवार रात अचानक उसे चेन्नई डायवर्ट कर दिया गया। दरअसल, जब चालक दल को रास्ते में खराब मौसम के कारण एक संदिग्ध तकनीकी खराबी का पता चला, तब उसे चेन्नई डायवर्ट कर दिया गया लेकिन वहां कथित तौर पर एक ही रनवे पर दो विमान आ गए। इसके बाद इस उड़ान को फिर से ऊपर हवा में उठा लिया गया। एयरलाइन ने पुष्टि की है कि उड़ान संख्या एआई 2455 चेन्नई में सुरक्षित उतर गई और विमान की जरूरी जांच की जाएगी।

विमान ने जैसे ही तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे से उड़ान भरी, उसके कुछ देर बाद ही वह टर्बुलेंस की चपेट में आ गया। इसके बाद उसे चेन्नई की ओर डायवर्ट कर दिया गया। विमान में सवार कांग्रेस महासचिव और सांसद केसी वेणुगोपाल ने इस घटना को एक कष्टप्रद यात्रा बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, तिरुवनंतपुरम से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 2455 - जिसमें मैं, कई सांसद और सैकड़ों यात्री सवार थे -एक भयावह त्रासदी के करीब पहुँच गई। देरी से शुरू हुई उड़ान एक कष्टदायक यात्रा में बदल गई। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद, हमें अभूतपूर्व गड़बड़ी का सामना करना पड़ा। लगभग एक घंटे बाद, कैप्टन ने उड़ान सिग्नल में खराबी की घोषणा की और विमान को चेन्नई की ओर मोड़ दिया। लगभग दो घंटे तक, हम उतरने की अनुमति का इंतज़ार करते हुए हवाई अड्डे के चक्कर लगाते रहे, जब तक कि हमारे पहले प्रयास के दौरान एक दिल दहला देने वाला क्षण नहीं आ गया - बताया जाता है कि उसी रनवे पर एक और विमान था। उस क्षण, कैप्टन के तुरंत रुकने के फैसले ने विमान में सवार सभी लोगों की जान बचा ली। दूसरे प्रयास में विमान सुरक्षित उतर गया।

केसी वेणुगोपाल के मुताबिक, यह विमान सब के भाग्य और पायलट की कुशलता और सूझबूझ से बच सका। उन्होंने मामले में जवाबदेही तय करने के लिए घटना की जाँच की माँग की है। उन्होंने आगे कहा, हम पायलट की कुशलता और भाग्य से बच गए। यात्रियों की सुरक्षा भाग्य पर निर्भर नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि इस घटना की तत्काल जाँच करें, जवाबदेही तय करें और सुनिश्चित करें कि ऐसी चूक फिर कभी न हो। केसी वेणुगोपाल की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, एयर इंडिया ने टिप्पणी की, डियर मिस्टर वेणुगोपाल, हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि चेन्नई की ओर फ्लाइट को मोड़ना एक संदिग्ध तकनीकी समस्या और खराब मौसम की स्थिति के कारण एहतियाती था। चेन्नई हवाई अड्डे पर पहली बार उतरने के प्रयास के दौरान चेन्नई एटीसी द्वारा गो-अराउंड का निर्देश दिया गया था, न कि रनवे पर किसी अन्य विमान की मौजूदगी के कारण ऐसा हुआ।

इस विमान ने रात 8 बजे तिरुवनंतपुरम से उड़ान भरी थी लेकिन रात 10.35 पर चेन्नई में उतार दिया गया। एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा, 10 अगस्त को तिरुवनंतपुरम से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली एआई 2455 के चालक दल ने संदिग्ध तकनीकी समस्या और रास्ते में खराब मौसम के कारण एहतियातन चेन्नई की ओर अपना मार्ग बदल लिया। विमान चेन्नई में सुरक्षित उतर गया, जहाँ विमान की जरूरी जाँच की जाएगी। हमें प्रभावित यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद है। चेन्नई में हमारे सहयोगी यात्रियों की परेशानी कम करने के लिए सहायता प्रदान कर रहे हैं और यात्रियों को जल्द से जल्द उनके गंतव्य तक पहुँचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर रहे हैं।

कबूतरखाना विवाद में जैन मुनि की धमकी, अगर हमारे धर्म पर हमला हुआ तो हथियार उठा लेंगे.., हम अदालत भी जाएँगे

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में कबूतरखानों को लेकर इस समय माहौल गरमाया हुआ है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कबूतरखानों के आसपास पक्षियों को दाना डालने पर रोक लगा दी है। जिसके बाद जैन समुदाय के कुछ लोग इस फैसले की अनदेखी करते हुए कबूतरों को दाना डाल रहे हैं। अब जैन समुदाय ने भूख हड़ताल का रास्ता अपनाने का इरादा जताया है। जैन मुनि नीलेशचंद्र विजय ने चेतावनी दी है कि समुदाय 13 अगस्त से भूख हड़ताल पर जाएगा। नीलेशचंद्र विजय ने बताया, सरकार के निर्देश के बाद कबूतरों को दाना डालना शुरू कर दिया गया है। यह चुनाव को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। पर्यूषण पर्व समाप्त होने के बाद हम अगला कदम तय करेंगे। हम 13 तारीख को अंतिम निर्णय लेंगे। हम सत्याग्रह और भूख हड़ताल का रास्ता अपनाएँगे। अगर कबूतरों को दाना डालने पर प्रतिबंध लगाया गया, तो हम 13 तारीख के बाद भूख हड़ताल शुरू करेंगे।

- हम अदालत का भी सम्मान नहीं करेंगे

साथ ही उन्होंने कहा, जैन समाज विनम्र है। हथियार उठाना हमारी नीति नहीं है। कुछ विरोध प्रदर्शनों के दौरान हथियारों का इस्तेमाल किया गया, लेकिन वे हमारे लोग नहीं थे। फिर भी, ज़रूरत पड़ने पर हम धर्म की रक्षा के लिए हथियार उठाएँगे। हम संविधान, अदालत और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का सम्मान करते हैं। उन्होंने दृढ़ता से कहा, अगर हमारे धर्म पर हमला हुआ, तो हम अदालत का भी सम्मान नहीं करेंगे।

- हर जानवर की रक्षा हमारा धर्म है

इसके अलावा, अगर महानगर पालिका, अदालत या प्रशासन हमें मना करता है, तो हम आंदोलन शुरू करेंगे। जीव दया हमारे धर्म का मूल मंत्र है। जैन धर्म को क्यों निशाना बनाया जा रहा है? हमने भोजन उपलब्ध कराने के लिए महानगर पालिका से अनुमति मांगी है। इसी स्थान पर फिर से आंदोलन होगा। देश भर से लाखों जैन बंधु यहाँ शांतिपूर्वक एकत्रित होंगे। मैं अकेला नहीं रहूँगा। उन्होंने यह भी बताया चींटी से लेकर हाथी तक हर जानवर की रक्षा करना हमारा धर्म है।

ट्रंप की नीतियों ने पूरी दुनिया को पीछे धकेल दिया : शशि थरूर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि पिछले छह महीने में ट्रंप की शुल्क नीतियों के असर ने पूरी दुनिया को पीछे धकेल दिया है और भारत को भी झटका लगा है। उन्होंने कहा, हमें उबरना होगा क्योंकि अमेरिका के साथ संबंध हमारे लिए इतने महत्वपूर्ण हैं कि हम इन्हें आगे बढ़ाने के लिए वास्तविक प्रयास करना चाहते हैं। जब मैं अमेरिका के साथ संबंधों की बात कर रहा हूं तो मेरा मतलब केवल व्यापारिक संबंध से नहीं है, रणनीतिक साझेदारी से भी है। इसलिए मुझे लगता है कि अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर और सुरक्षा परिषद की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में है।

बता दें कि अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस सांसद थरूर ने पिछले दिनों कहा था कि भारत को भी अपने हितों की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा, ÷जो हो रहा है वह चिंताजनक है। एक ऐसा देश जिसके साथ हमारे घनिष्ठ संबंध थे और हम रणनीतिक साझेदार के रूप में काम कर रहे थे। अगर उस देश ने अपना व्यवहार बदला है, तो भारत को कई चीजों पर विचार करना होगा। शायद आने वाले दो-तीन हफ्तों में हम बातचीत करके कोई रास्ता निकाल सकें। भारत को भी अपने हितों का ध्यान रखना होगा।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया है कि कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अध्यक्षता वाली विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति के समक्ष दो मंत्रालयों के अफसर आज पेश होंगे और मौजूदा हालात पर विदेश नीति के बारे में स्थिति स्पष्ट करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, शशि थरूर की अध्यक्षता वाली स्टैंडिंग कमेटी के समक्ष सोमवार को विदेश मंत्रालय और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के प्रतिनिधियों द्वारा भारत की विदेश नीति के घटनाक्रमों के बारे में जानकारी दी जाएगी, जिसमें अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता और शुल्कों का विशेष संदर्भ भी शामिल होगा। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि शशि थरूर की अध्यक्षता में विदेश मामलों की संसदीय समिति की बैठक संसद भवन में होने जा रही है, जिसमें भारत की विदेश नीति के नवीनतम घटनाक्रमों के बारे में कमेटी को जानकारी दी जाएगी। विदेश मंत्रालय ने बैठक से पहले संसदीय समिति को बताया है कि अमेरिका द्वारा भारत पर द्वितीयक प्रतिबंध लगाने के फैसले ने उसे एक ऐसे भू-राजनीतिक संघर्ष में धकेल दिया है। दोनों देशों के बीच विश्वास और रिश्तों में आई गिरावट के बावजूद, मंत्रालय ने कहा कि भारत अमेरिका के साथ रचनात्मक संबंधों को बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कर्नाटक के बाद अब महाराष्ट्र चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को नोटिस जारी कर वोट धांधली के आरोपों पर सबूत मांगे

मुंबई, (एजेंसी)। मत चोरी के आरोपों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कर्नाटक चुनाव आयोग द्वारा नोटिस भेजे जाने के बाद, अब महाराष्ट्र चुनाव आयोग ने भी राहुल गांधी को नोटिस भेजा है। नोटिस में उन्हें 10 दिनों के भीतर हलफनामे के साथ अपने आरोपों के सबूत पेश करने का निर्देश दिया गया है। आपको बता दें कि राहुल गांधी ने बीते 7 अगस्त को दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने मतदाता सूची में गड़बड़ी और मत चोरी के मुद्दों पर विस्तार से टिप्पणी की थी। चुनाव आयोग ने उन्हें इन्हीं आरोपों के संबंध में पहले ही एक पत्र भेजा था, जिसकी याद अब महाराष्ट्र चुनाव आयोग ने दिलाई है। इस रिमाइंडर में कहा गया है कि निर्वाचक पंजीकरण नियम, 1960 के नियम 20(3)(बी) के अनुसार, राहुल गांधी को अपने आरोपों और संबंधित मतदाताओं के नामों के समर्थन में एक हलफनामा पेश करना चाहिए। पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि ऐसा करने पर जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और निर्वाचक पंजीकरण नियम, 1960 के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की जा सकती है। कर्नाटक चुनाव आयोग की तरह महाराष्ट्र चुनाव आयोग द्वारा भी नोटिस भेजे जाने के बाद, राहुल गांधी के सामने अब दोनों राज्यों के चुनाव आयोगों के सवालों का जवाब देने की चुनौती है।

- वोट चोरी का आरोप और आयोग की भूमिका

राहुल गांधी ने 7 अगस्त को दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में महादेवपुर विधानसभा क्षेत्र में वोट चोरी का गंभीर आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि कुछ योग्य मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जबकि कुछ अपात्र मतदाताओं के नाम शामिल कर लिए गए हैं। इन आरोपों की पुष्टि के लिए, राहुल गांधी ने एक मतदाता शकुन रानी द्वारा दो बार मतदान करने के सबूत पेश किए थे। हालाँकि, चुनाव आयोग द्वारा की गई प्रारंभिक जाँच में पता चला है कि शकुन रानी ने केवल एक बार मतदान किया है। यह भी स्पष्ट किया

गया है कि राहुल गांधी द्वारा प्रस्तुत सही के निशान वाला दस्तावेज़ मतदान अधिकारी द्वारा जारी नहीं किया गया था। इसके मद्देनजर कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी राहुल गांधी से नियम 20(3)(बी) के तहत हलफनामा प्रस्तुत करने को कह रहे हैं ताकि मामले की आगे जांच की जा सके। इसी प्रकार अब महाराष्ट्र चुनाव आयोग द्वारा भी नोटिस भेजा गया है।

राहुल गांधी की तस्वीर पर कंगना रनौत का तंज, बोलीं- 'सहानुभूति के लिए ओवरएक्टिंग'

नई दिल्ली (एजेंसी) बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित 'वोट चोरी' के मामले को लेकर सोमवार को विपक्षी सांसदों ने संसद भवन से चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च निकाला। पुलिस ने उन्हें संसद मार्ग पर ही रोककर हिरासत में ले लिया। इसी दौरान बस की खिड़की से झांकते हुए मीडिया से बातचीत करते राहुल गांधी की तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई है। इसे लेकर भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने तंज कसते हुए कहा, यह सहानुभूति के लिए ओवरएक्टिंग की जा रही है।

दरअसल सांसद कंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर राहुल गांधी की तस्वीर साझा करते हुए लिखा है, कि सहानुभूति पाने के लिए ओवरएक्टिंग वाला बुरा एक्सप्रेशन। यह पहला अवसर नहीं है जबकि कंगना ने राहुल गांधी को लेकर इस तरह का बयान दिया हो, बल्कि इससे पहले भी वा कई दफा तीखे बयान दे चुकी हैं। यहां बताते चलें कि विपक्ष के इस विरोध मार्च में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, डिंपल यादव, शशि थरूर समेत करीब 300 से ज्यादा विपक्षी सांसद व नेता शामिल हुए थे। हिरासत में लिए गए नेताओं को संसद मार्ग थाने ले जाया गया और कुछ देर बाद छोड़ दिया गया।

यह संविधान और लोकतंत्र को बचाने का संघर्ष

विरोध मार्च में सांसद राहुल गांधी ने कहा, कि यह लड़ाई राजनीतिक नहीं, संविधान और 'एक व्यक्ति, एक वोट' के अधिकार को बचाने की है। हम साफ-सुथरी और सही मतदाता सूची चाहते हैं। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, कि भाजपा की कायराना तानाशाही नहीं चलेगी, यह लोकतंत्र को बचाने का संघर्ष है। इससे पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पुलिस बैरिकेड फांदकर विरोध जारी रखा और चुनाव आयोग से मतदाता सूची से हटाए गए 18 हजार वोट बहाल करने की मांग की।

बिहार में कई नदियां उफान पर, बाढ़ का पानी घरों और खेतों में घुसा

- 11 लोगों की मौत हो, 10 लाख से अधिक लोग प्रभावित

- नदी किनारे रहने वालों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह

पटना(एजेंसी)। एक ओर जहाँ बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दल अपनी रणनीति बनाने में जुटे हैं तो दूसरी ओर आम जनता बाढ़ की विभीषिका से त्रस्त है। क्योंकि गंगा, कोसी, बागमती समेत 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिससे पटना, वैशाली, मुंगेर, बेगूसराय, बक्सर, भागलपुर और खगड़िया में बाढ़ का पानी घरों और खेतों में घुस गया है। अब तक 11 लोगों की मौत होने की खबर है जबकि 10 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी से कई जिलों में बाढ़ ने विकराल रूप ले लिया है। चारों ओर फैले पानी के बीच ग्रामीण त्राहिमाम कर रहे हैं। हालांकि प्रशासन राहत कार्य में जुटा है,

लेकिन बड़ी आबादी अब भी सरकारी सुविधाओं से वंचित है। उधर गंगा नदी पटना में दीघा घाट पर 51.62 मीटर (117 सेमी ऊपर) और गांधी घाट पर 50.20 मीटर (160 सेमी ऊपर) खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बक्सर में स्टेट हाइवे पर पानी बह रहा है और भागलपुर में कटाव के कारण कई घर नदी में समा गए हैं। कोसी में बराह से 94,775 क्यूसेक और बीरपुर से 1.19 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जिससे सुपौल और अररिया में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। साथ ही कोसी बैराज से लगातार हो रहे जल प्रवाह और डिस्चार्ज के कारण मधेपुरा जिले के आलमनगर और चौसा प्रखंड के निचले इलाकों में बाढ़ का कहर तेज हो गया है। कोसी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे दर्जनों गांव प्रभावित हो चुके हैं। बाढ़ के पानी ने अब ग्रामीण इलाकों के साथ-साथ घरों और स्कूलों में भी दस्तक दे दी है। उधर बेगूसराय, वैशाली, मुंगेर, खगड़िया और भागलपुर में बाढ़ ने 10 लाख लोगों को प्रभावित किया है, जिसमें 4 मौतें भागलपुर, 6 बेगूसराय और 1 वैशाली में हुई हैं। आपदा प्रबंधन विभाग और एनडीआरएफ की 14 टीमें दरभंगा, सुपौल, मोतिहारी और नालंदा में तैनात हैं। पटना में 35 नावें राहत कार्यों के लिए सक्रिय हैं और जिला नियंत्रण कक्ष (0612-2210118) आपात स्थिति के लिए उपलब्ध है। भागलपुर और बेगूसराय में राहत शिविर, सामुदायिक रसोई और चिकित्सा शिविर शुरू किए गए हैं। प्रशासन ने नदी किनारे रहने वालों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है।

जांच-परख कर ही देंगे असम के मूल निवासियों को बंदूक के लायसेंस: सीएम सरमा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मूल निवासियों को बंदूक के लायसेंस दिए जाएंगे। लेकिन इससे पहले उनकी पूरी जांच पड़ताल होगी इसके बाद ही सुरक्षा के लिए उन्हे शस्त्र लायसेंस जारी किए जाएंगे। ये बात असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्वा सरमा ने कही। इससे पहले असम सरकार पर बंदूक लायसेंस को लेकर कई तरह के सवाल उठे थे और कई लोंगो ने आलोचना की थी। इसके बाद सीएम सरमा ने पूरी तरह साफ कर दिया कि लायसेंस हर किसी को नहीं दिए जाएंगे। बता दें कि असम राज्य मंत्रिमंडल ने 28 मई को फैसला किया था कि असुरक्षित और दूर दराज इलाकों में रहने वाले मूल निवासियों में सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए उन्हें लाइसेंसी हथियार दिए जाएंगे। इस योजना के तहत सरमा सरकार ने धुबरी, मोरीगांव, बारपेटा, नागांव, दक्षिण सलमारा-मनकाचर जिलों और इसके अलावा रुपाही, ढिंग और जोनिया जैसे इलाकों को असुरक्षित और दूर दराज के इलाकों में चिह्नित किया था। इन सभी इलाकों में बंगाली मुसलमान अधिक संख्या में रहते हैं।

सीएम हिमंत ने कहा कि मूल निवासियों के हथियार लाइसेंसों के साथ-साथ भूमि अधिकार भी सुरक्षित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी को भी ऐसी ही हथियार नहीं दे दिए जाएंगे, इसे पूरी प्रक्रिया के तहत और उचित जांच के बाद ही किया जाएगा। असम के बक्सा में एक कार्यक्रम के दौरान जब उनसे हथियार नीति को लेकर हो रही आलोचना के बारे में पूछा गया तो हिमंत ने इसका अपने अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा, बंदूकें जरूरी हैं। अगर आपके पास बंदूक नहीं है, तो आप दक्षिण सलमान-मनकाचर और बागबार में कैसे रहेंगे? अगर आप वहां जाएंगे तो आपको खुद ही समझ आ जाएगा। हिमंत ने दावा किया कि एक सत्र (वैष्णव शिक्षा का केंद्र) में 100 मूल निवासी रह रहे हैं। उनके आस पास 20 से 25 हजार लोग रहते हैं, तो उन 100 लोगों को किसी चीज की आवश्यकता तो पड़ेगी ही। हालांकि सरमा ने कानून के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कह, बंदूकें जरूरी हैं, जमीन जरूरी है, अधिकार जरूरी हैं, लेकिन यह सब केवल और केवल कानून के दायरे में होना चाहिए! कानून के बाहर नहीं।

उत्तराखंड में त्रासदी: धराली में ऐतिहासिक मंदिर नष्ट, गंगासागर में भी खतरा, अजीविका का भी संकट गहराया

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के धराली कस्बे में भारी बारिश और बाढ़ ने तबाही मचा दी है, जिससे ऐतिहासिक कल्प केदार मंदिर मलबे में दब गया है। यह घटना जलवायु परिवर्तन के गंभीर खतरों को फिर उजागर करती है। खीर गंगा नदी में ऊपरी इलाकों में हुई बारिश के कारण पानी का स्तर बढ़ा, और इसके साथ आए मलबे और पत्थरों ने पूरे कस्बे को बर्बाद कर दिया। धराली का कल्प केदार मंदिर कत्यूर शैली में बना था और इसकी बनावट केदारनाथ धाम के समान थी। यह मंदिर गंगोत्री और गौमुख-तपोवन ट्रैक पर जाने वाले पर्यटकों के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। यहां लगभग 60-80 प्रतिशत पर्यटक रुकते थे, जिससे लोगों के लिए रोजगार का एक बड़ा जरिया बना हुआ था। अब मंदिर के नष्ट होने से इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर कई सालों तक नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। त्रासदी ने फिर अनियंत्रित निर्माण पर सवाल खड़े किए हैं। केदारनाथ में भी इसी तरह की तबाही देखी जा चुकी है। इसके बावजूद, पहाड़ों पर बिना किसी वैज्ञानिक अध्ययन के होमस्टे और अन्य निर्माण कार्य जारी हैं, जो ऐसे खतरों को और बढ़ा रहे हैं। लोगों के अनुसार, कल्प केदार मंदिर कई वर्षों तक जमीन के नीचे दबा रहा था। 1945 के आसपास जब इसकी ऊपरी आकृति दिखाई दी, तब खुदाई शुरू हुई। 12 फीट तक की खुदाई के बाद भी मंदिर का आधा हिस्सा ही जमीन के ऊपर आ पाया था। यह मंदिर पुरातत्व विभाग की सूची में शामिल है और इसके अवशेष 17वीं सदी के बताए जाते हैं। धराली की त्रासदी ने गंगोत्री की सप्लाई चेन को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। गंगोत्री में कई पर्यटक फंसे हुए हैं और धराली से उनका संपर्क पूरी तरह से टूट गया है। यह स्थिति क्षेत्र में पर्यटन और अन्य सेवाओं पर गहरा असर डालेगी। उत्तराखंड की तरह, पश्चिम बंगाल में स्थित गंगासागर भी बढ़ते समुद्री जलस्तर के खतरे का सामना कर रहा है। यहां स्थित कपिल मुनि आश्रम के सागर में समाने की आशंका हर साल बढ़ती जा रही है। यह आश्रम न केवल लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है, बल्कि काकद्वीप के लोगों के लिए रोजगार का भी जरिया है।

इस आश्रम से जुड़ी पौराणिक कथाओं के अनुसार, कपिल मुनि का मंदिर 1437 में स्वामी रामानंद ने स्थापित किया था। वह मंदिर भी समुद्र में समा गया था। बाद में मंदिर को फिर से बनाया गया, लेकिन वह भी समुद्र में समा गया। वर्तमान मंदिर का निर्माण 1970 के दशक में हुआ था, तब इसकी समुद्र से दूरी लगभग 4 किलोमीटर थी। अब यह दूरी घटकर मात्र 500 मीटर रह गई है। इस बढ़ते खतरे से यहां के लोगों की आस्था और आजीविका दोनों पर संकट मंडरा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

थाईलैंड में हुए एक रेल हादसे में नौ यात्री घायल

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड में हुए एक रेल हादसे में कई लोगों के घायल होने की खबर है। बैंकॉक पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार तड़के थाईलैंड के कुई बुरी जिले में एक एक्सप्रेस ट्रेन के पटरी से उतर गई। स्थानीय समय के मुताबिक शनिवार तड़के हुए इस हादसे में नौ यात्री घायल हो गए। 12 बोगियों वाली ये ट्रेन नारथिवात प्रांत के सु-नगाई कोलोक जिले से बैंकॉक के क्रुंगथेप अफिवात (बैंग सू) स्टेशन जा रही थी। ट्रेन में पीछे की तरफ लगाए गए तीन डिब्बे, नंबर 10, 11 और 12 पटरी से उतर गए, लेकिन पलटे नहीं। घायलों में एक बौद्ध भिक्षु, एक छोटी लड़की और सात महिलाएं शामिल हैं। सभी पीड़ितों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेलवे अधिकारी पटरी से उतरने के कारणों की जांच कर रहे हैं।

अमेरिका ने अफगान विदेश मंत्री की पाकिस्तान यात्रा रोकी-रिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की पाकिस्तान की प्रस्तावित यात्रा पर अमेरिका ने रोक लगा दी है। डॉन की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की यात्रा प्रतिबंध छूट को मंजूरी देने से इनकार कर दिया है। खबरों के मुताबिक मुत्ताक़ी काबुल और इस्लामाबाद के बीच संबंधों को सुधारने के मकसद से चार अगस्त को ही आने वाले थे, लेकिन अमेरिका ने इस पर रोक लगा दी। राजनयिक सूत्रों का हवाला देते हुए एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगान विदेश मंत्री अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का सामना कर रहे हैं, ऐसे में वे संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंध समिति से विशेष छूट के बिना विदेश यात्रा नहीं कर सकते। अमेरिका ने छूट देने से इनकार करने का फैसला आखिरी वक्त में लिया, जिससे मुत्ताकी को अपनी यात्रा रद्द करनी पड़ी। डॉन की खबर के मुताबिक माना जा रहा है कि अमेरिका का यह फैसला तालिबान सरकार की चीन के साथ बढ़ती नजदीकियों से उपजी चिंताओं से प्रेरित है।

लॉस एंजेलिस में स्टोर से 7000 डॉलर की लाबुबू गुड़िया चोरी

लॉस एंजेलिस , एजेंसी। अमेरिका में लॉस एंजेलिस के एक स्टोर से नकाबपोश चोरों के एक समूह ने लगभग 7,000 डॉलर की लाबुबू गुड़िया चोरी कर लीं। लॉस एंजेलिस काउंटी शेरिफ विभाग ने बताया कि यह घटना बुधवार सुबह लॉस एंजेलिस से लगभग 29 किलोमीटर पूर्व में स्थित ला पुएंते शहर के एक स्टोर में हुई। विभाग ने कहा कि संदिग्धों ने इस घटना में एक चोरी की हुई टोयोटा टैकोमा का इस्तेमाल किया था, जिसे कुछ ही देर बाद बरामद कर लिया गया। एजेंसी ने कहा कि वह मामले की जांच कर रही है और उसके पास अतिरिक्त जानकारी नहीं है। हांगकांग में जन्मे कलाकार कासिंग लुंग द्वारा बनाया गया यह खिलौना लाबुबू, इन दांतेदार राक्षसों के पहली बार सामने आने के एक दशक बाद एक लोकप्रिय संग्रहणीय वस्तु बन गया है।

कोलंबियाई सीनेटर की हालत रक्तस्राव के बाद फिर से गंभीर

बोगोटा, एजेंसी। बोगोटा में एक चुनावी रैली के दौरान जून में गोली लगने से घायल हुए कोलंबियाई सीनेटर मिगुएल उरीबे टर्बे की हालत फिर से बिगड़ गई है। वह अब भी अस्पताल में भर्ती हैं। उनके तंत्रिका तंत्र में रक्तस्राव हुआ है। उनका इलाज कर रहे फंडासिओन सांता फे क्लिनिक ने कहा कि उरीबे टर्बे को बचाने के लिए तुरंत ऑपरेशन करना पड़ा। उनकी हालत सुधारने के लिए उन्हें बेहोशी की हालत में रखा गया है। गौरतलब है कि उरीबे टर्बे को 7 जून को एक पार्क में चुनावी भाषण देते समय तीन बार गोली मारी गई थी। उनके सिर में दो बार गोली लगी। तब से, वह गंभीर हालत में आईसीयू में भर्ती हैं और उनकी हालत में थोड़ा सुधार हुआ है।

जापान बोला- परमाणु हथियार खत्म करेंगे

टोक्यो, एजेंसी। जापान के नागासाकी में अमेरिका की तरफ से किए गए परमाणु बम हमले की 80वीं बरसी पर स्मृति कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जख्मों, भेदभाव और विकिरण से होने वाली बीमारियों की पीड़ा सहने के बावजूद हमले से बचे लोगों ने परमाणु हथियारों को खत्म करने के साझा लक्ष्य के लिए सार्वजनिक रूप से अपनी प्रतिबद्धता जताई। नागासाकी में हमले से बचे लोगों के पक्ष में खड़े एक संगठन की सदस्य 83 वर्षीय तेरुको योकोयामा ने कहा कि उन्हें उन लोगों की कमी महसूस होती है।

इराकी प्रधानमंत्री ने पुलिस के साथ हिंसक झड़प के बाद अर्धसैनिक कमांडरों को हटाया

बगदाद, एजेंसी। इराक के प्रधानमंत्री ने पिछले महीने एक सरकारी प्रतिष्ठान में पुलिस के साथ हुई हिंसक झड़प के बाद अर्धसैनिक बल के वरिष्ठ कमांडरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मंजूरी दी है। झड़प में तीन लोगों की मौत हो गई थी। 27 जुलाई को बगदाद के कारख जिले में कृषि निदेशालय पर बंदूकधारियों ने हमला किया था। इस दौरान संघीय पुलिस के साथ उनकी झड़प हुई थी। यह छापेमारी निदेशालय के पूर्व प्रमुख को पद से हटाकर नए प्रमुख की नियुक्ति के बाद की गई।

पति ने एयर होस्टेस को बलात्कार की दी धमकी

इस्लामाबाद, एजेंसी।
वर्जिन अटलांटिक फ्लाइट अटेंडेंट को धमकाने के लिए सजा पाने वाले एग्जीक्यूटिव सलमान इफ्तिखार की पत्नी ने अपने पति का बचाव किया है। पाकिस्तानी इन्फ्लुएंसर अबीर रिजवी ने इस मामले को मानसिक स्वास्थ्य से जोड़ा है। दरअसल, लंदन से लाहौर जा रहे विमान में साल 2023 में इफ्तिखार ने नशे की हालत में गलत बर्ताव किया था। उस पर फ्लाइट अटेंडेंट एंजी वाल्श को रेप की धमकी देने के आरोप लगे। उसने नस्लीय टिप्पणियां कीं और वाल्श से कहा कि उनके होटल को उड़ा दिया जाएगा। इस घटना के बाद इफ्तिखार को मार्च 2024 में इंग्लैंड में उनके घर से गिरफ्तार कर लिया गया।

सलमान इफ्तिखार की पत्नी अबीर रिजवी पाकिस्तान की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। उन्होंने अपने पति का बचाव करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा कि मानसिक स्वास्थ्य कोई मजाक नहीं होता है। लोगों को यह बात समझने की कोशिश करनी चाहिए। रिजवी ने कहा, हर कहानी के पीछे वह दर्द होता है जो दिखाई नहीं देता। इफ्तिखार को 15 महीने की जेल की सजा सुनाई गई। उन्होंने धमकी देने और नस्लीय उत्पीड़न के आरोप स्वीकार किए, लेकिन पुरुष फ्लाइट अटेंडेंट के साथ शारीरिक संघर्ष के आरोप से इनकार किया। वर्जिन अटलांटिक की फ्लाइट अटेंडेंट एंजी वाल्श ने बताया कि इस घटना ने उन्हें मानसिक रूप से तोड़ दिया था। इसके कारण उन्हें 14 महीने तक काम से छुट्टी लेनी पड़ी। उन्होंने कहा कि वह 37 वर्षों तक वर्जिन अटलांटिक के साथ काम करती रहीं और कई चुनौतियों का सामना किया।

यूएस सिनेटर ने ट्रंप को ही दिया झटका, अब मोदी रुकवाएंगे रूस-यूक्रेन युद्ध

वाशिंगटन, एजेंसी।
पुतिन और ट्रंप की कमर तोड़ने के लिए ट्रंप ने तमाम कोशिशें कर ली कि किसी तरह पुतिन झुक जाएं और रूस व यूक्रेन की जंग रूक जाए। लेकिन ट्रंप अपनी कोशिशों में हर बार फेल हुए। न पुतिन उनकी बात मान रहे हैं और न ही ये जंग थम रही है। अब ऐसे में अमेरिकी नेता ने ट्रंप के सपनों पर पानी फेर दिया। ट्रंप जो कोशिश कर रहे थे उसे साइडलाइन करते हुए भारत पर भरोसा दे दिया। अमेरिकी सीनेटर का बड़ा बयान सामने आया है। बयान में उन्होंने ट्रंप के सपनों को चकनाचूर कर दिया है। ट्रंप जिस तरीके से महान बनने की कोशिश कर रहे थे। उस महानता पर पानी फेर दिया है। उन्होंने सीधे सीधे खुला कह दिया है कि प्रधानमंत्री मोदी और भारत ही अब रूस यूक्रेन का युद्ध समाप्त कर सकते हैं। इसके लिए बकायदा उन्हें कदम बढ़ाना चाहिए। हो सकता हैअमेरिका और भारत के रिश्ते युद्ध की

वजह से खराब हो रहे हैं, वो न हो पाएं। अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने भारत से आग्रह किया है कि वह यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मदद के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करे। यह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत के कुछ ही घंटों बाद कही गई है। ग्राहम ने कहा कि यह वाशिंगटन और दिल्ली के बीच संबंधों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण होगा। ग्राहम ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि जैसा कि मैं भारत में अपने दोस्तों से कहता रहा हूँ, भारत-अमेरिका संबंधों को बेहतर बनाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण काम जो वे कर सकते हैं, वह है राष्ट्रपति ट्रम्प को यूक्रेन में इस रक्तपात को समाप्त करने में मदद करना। ग्राहम ने कहा कि भारत रूस से सस्ते तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है, जो पुतिन की युद्ध मशीन को ईंधन देता है। ग्राहम ने आगे कहा कि मुझे उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन के साथ हालिया फ़ोन कॉल में यूक्रेन में इस युद्ध को न्यायसंगत, सम्मानजनक और हमेशा के लिए समाप्त करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया होगा। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि भारत इस मामले को प्रभावित करता है, और मुझे उम्मीद है कि वे इसका समझदारी से इस्तेमाल करेंगे। ग्राहम, राष्ट्रपति पुतिन के साथ फ़ोन पर हुई बातचीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी के एक्स पर पोस्ट का जवाब दे रहे थे। शुक्रवार को फ़ोन पर हुई बातचीत के दौरान, पुतिन ने मोदी को यूक्रेन से जुड़े ताज़ा घटनाक्रमों से अवगत कराया। मोदी ने कहा कि मेरे मित्र राष्ट्रपति पुतिन÷ के साथ उनकी बहुत अच्छी और विस्तृत बातचीत हुई। ।क्रेमलिन ने एक बयान में कहा कि रूस और भारत के बीच विशेष साझेदारी के मद्देनज़र, व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीवन विटकॉफ के साथ अपनी बैठक के मुख्य परिणामों को साझा किया।

कश्मीर पर ट्रंप के हस्तक्षेप की प्लानिंग कर रहे मुल्ला मुनीरथ

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि कश्मीर विवाद दक्षिण एशिया में शांति और सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा है और इसे सुलझाने के लिए किसी भी देश की सहायता का हम स्वागत करते हैं। इन बयानों से पाकिस्तान ट्रंप की शांति दूत वाली भावना को भड़का रहा है। नोबेल वाली इच्छाओं को भड़काकर पाकिस्तान अमेरिका को कश्मीर विवाद में घसीटना चाहता है।

पाकिस्तान नोबेल शांति पुरस्कार के लिए ट्रंप के नाम का समर्थन कर चुका है। शातिर मुनीर जानता है कि नोबेल शांति पुरस्कार और सीजफायर की जिद ट्रंप की कमजोरी है। ट्रंप ने अब अर्नेमिया और अजरबैजन के बीच शांति समझौता कर लिया। दोनों देशों ने 37 साल पुरानी जंग को खत्म करने का फैसला किया। इस शांति समझौते में पाकिस्तान अपने लिए अवसर देख रहा है। हमेशा की तरह पाकिस्तान कश्मीर को एक बार फिर मुद्दा बनाने की साजिश रच रहा है।

ईरान बिना जांच किए अफगान शरणार्थियों को निकाल रहा

तेहरान, एजेंसी।
ईरान अफगान शरणार्थियों को उनके कानूनी दर्जे की जांच किए बिना देश से निकाल रहा है। यह आरोप ईरान के सोशल वर्कर्स ने स्थानीय प्रशासन पर लगाया है। इससे कई मामलों में गलत पहचान, परिवार बिछड़ने और डिपोर्टेशन के दौरान दुर्व्यवहार की घटनाएं सामने आई हैं। तेहरान के गवर्नर मोहम्मद सादिक मोतमेदीयान ने बताया कि पिछले 100 दिनों में 10 लाख से ज्यादा अफगानों को निकाला गया है। इनमें से 4 लाख सिर्फ तेहरान प्रांत से हैं।

ईरान के सोशल वर्कर्स एसोसिएशन के प्रमुख हसन मूसेवी चेलिक ने बताया, हाल के दिनों में अफगान शरणार्थियों को निकालते वक्त अधिकारियों ने कानूनी और गैरकानूनी प्रवासियों में फर्क नहीं किया। ईरान ने मार्च 2025 में ऐलान किया था कि अवैध रूप से रह रहे अफगान प्रवासी 6 जुलाई तक देश छोड़ दें, नहीं तो उन्हें जबरन निकला जाएगा। ईरानी अधिकारियों ने दावा किया कि अफगानी इजराइल और अमेरिका के लिए जासूसी, आतंकी हमले और ड्रोन बनाने में शामिल हैं।

न्यूयॉर्क टाइम्स को लोगों ने बताया कि उनके पास न तो पर्याप्त सामान है और न ही भविष्य की कोई उम्मीद। 42 साल तक ईरान में मजदूरी करने वाले मोहम्मद अखुंदजादा ने कहा, मैंने 42 साल तक ईरान में मेहनत की, मेरे घुटने टूट गए और अब मुझे क्या मिला ईरान से निर्वासित हुए एक अफगान शरणार्थी बशीर ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि अधिकारियों ने उससे 17 हजार रुपए मांगे। फिर

दो दिन डिटेंशन सेंटर में रखा। इस दौरान न खाना दिया गया और न ही पानी। बशीर के मुताबिक अधिकारी उसे गालियां देते थे। एक दूसरे युवक ने बताया कि उसके पिता को जासूसी के आरोप में पकड़कर कैद कर दिया गया। उन्हें खाना-पानी नहीं दिया गया और बाद में डिटेन करके अफगानिस्तान भेज दिया। द गार्जियन से बात करते हुए एक अफगान महिला ने बताया कि, ईरानी अधिकारी रात में आए। उन्होंने बच्चों के कपड़े तक नहीं लेने दिए। हमें कूड़े की तरह फेंक दिया। रास्ते में बैंक कार्ड से पैसे निकाल लिए। पानी की बोतल के 80 रुपए और सैंडविच के 170 रूपए वसूले। ईरान में अफगानों के खिलाफ नस्लीय हमले बढ़े इजराइल के साथ युद्ध के बाद ईरान में अफगानों के खिलाफ नस्लीय हमले बढ़ गए हैं। कई अफगानों ने बताया कि उन्हें गालियां दी गईं, चाकू से हमले हुए और उनकी मजदूरी तक छीन ली गई। बैंकों, स्कूलों, अस्पतालों और दुकानों ने भी अफगानों को सेवा देने से मना कर दिया है। एब्राहिम कादेरी ने मीडिया को बताया कि वो तेहरान में एक कार्डबोर्ड फैक्ट्री में काम करते थे, वहां कुछ लोगों ने उन्हें गंदा अफगान कहकर पीटा और चाकू से घायल कर दिया। उनकी मां गुल दास्ता फजिली ने कहा कि चार अस्पतालों ने उनके बेटे का इलाज करने से इनकार कर दिया, क्योंकि वह अफगान था। 35 साल की फराह, जो तेहरान में कंप्यूटर इंजीनियर हैं, ने बताया कि पड़ोस के युवकों ने उन पर और उनके 4 साल के बेटे पर हमला किया। बिना मां-बाप के नाबालिगों को निकाल रहा ईरान ईरान से निकाले गए लोगों में सैकड़ों नाबालिग बच्चे हैं, जिनमें कई अनाथ और अकेले हैं। ह के अनुसार, हर हफ्ते सैकड़ों बच्चों को बिना अभिभावकों के सीमा पर पाया जा रहा है। अफगानिस्तान के पश्चिमी सीमा पर इस्लाम कला नामक शहर में एक भीड़भाड़ वाला प्रोसेसिंग सेंटर है, जहां निकाले गए लोगों को रखा जा रहा है।

इन शरणार्थियों की वापसी से अफगानिस्तान की पहले से खराब अर्थव्यवस्था और बिगड़ रही है। ईरान में रहने वाले अफगान अपने परिवारों को पैसा भेजते थे, जो अब बंद हो गया है। अफगानिस्तान की 4.1 करोड़ आबादी में से आधी से ज्यादा पहले ही मानवीय सहायता पर निर्भर है। बेरोजगारी, आवास और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी ने हालात को और गंभीर बना दिया है। इस्लाम कला में हर दिन 20,000 से 25,000 लोग सीमा पार कर रहे हैं।

इस्राइल की सेना बड़े हमलों का जवाब देने के लिए हो रही तैयार, अचानक शुरू किया डॉन अभ्यास

तेल अवीव, एजेंसी।

हमास और हिजबुल्ला को जवाब दे रही इस्राइल की सेना अब बड़े हमलों का जवाब देने के लिए तैयार हो रही है। इस्राइल रक्षा बलों ने रविवार को अपने मुख्यालय और मुख्य कमांड केंद्रों की तैयारी का परीक्षण करने के लिए अचानक डॉन अभ्यास शुरू किया। इस अभियान की कमान चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल इयाल जमीर कर कर रहे है।

इस्राइली मीडिया के मुताबिक अभ्यास का उद्देश्य बड़े पैमाने पर हमलों का त्वरित और प्रभावी ढंग से जवाब देने की आईडीएफ की क्षमता का मूल्यांकन करना है। सेना ने बताया कि इस अभ्यास में सभी संभावित युद्ध के मैदानों में आश्चर्यजनक परिदृश्य और बहु-दृश्य कार्यक्रम शामिल हैं। आईडीएफ नियंत्रक ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) ओफर सारिग्म और उनकी टीम इस अभ्यास की देखरेख कर रही है। यह टीम गुणवत्ता और क्षमता दोनों के संदर्भ में आईडीएफ की प्रतिक्रिया समय का निरीक्षण और मूल्यांकन कर रही है। कमांड, शाखाओं और इकाइयों में ऑडिट गतिविधियों की एक श्रृंखला जारी रखेगा और शुरू करेगा। यह अभ्यास कई मोर्चों पर आईडीएफ के चल रहे अभियानों के बीच हो रहा है। सबसे हालिया हमला शनिवार रात हुआ, जब आईडीएफ ने दक्षिणी लेबनान के अयनाटा इलाके में एक हिजबुल्ला लड़ाके को निशाना बनाया। सेना ने कहा कि वह व्यक्ति इस्राइल की सेना के बारे में खुफिया जानकारी इकट्ठा कर रहा था। इससे पहले इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ ने गाजा में अभियान को आगे बढ़ाने के विकल्प प्रस्तुत किए। सेना ने एक्स पर लिखा कि बैठक तीन घंटे से ज्यादा समय तक चली और इसमें आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ ने कार्रवाई के विभिन्न विकल्पों पर एक प्रस्तुति भी दी।

फलस्तीनी समूह पर प्रतिबंध से जुड़े नए कानून के खिलाफ प्रदर्शन, 200 लोग गिरफ्तार

ब्रिटेन, एजेंसी।
शनिवार को संसद भवन के बाहर 500 से अधिक प्रदर्शनकारी जमा हो गए, और कई प्रदर्शनकारियों ने पुलिस को उन्हें गिरफ्तार करने की चुनौती दी, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की।

ब्रिटेन में फलस्तीन समर्थक समूह पर लगाए गए प्रतिबंध पर पुनर्विचार के लिए सरकार पर दबाव बनाने के वास्ते जानबूझकर कानून का उल्लंघन करने के आरोप में शनिवार को 200 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया।

संसद ने जुलाई की शुरुआत में 'पैलेस्टाइन एक्शन' नामक समूह पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक कानून पारित किया था। यह प्रतिबंध इसलिए लगाया गया था क्योंकि समूह के कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर ब्रिटेन की वायुसेना के अड्डे में घुसकर दो विमानों को क्षतिग्रस्त कर दिया था।

कार्यकर्ता गाजा में हमास के खिलाफ इजराइल के हमलों का समर्थन करने के लिए ब्रिटेन के विरुद्ध प्रदर्शन कर रहे है। समूह के समर्थकों का कहना है कि इस कानून के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अवैध रूप से पाबंदी लगाई गई है।

शनिवार को संसद भवन के बाहर 500 से अधिक प्रदर्शनकारी जमा हो गए, और कई प्रदर्शनकारियों ने पुलिस को उन्हें गिरफ्तार करने की चुनौती दी, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में पोस्टर ले रखे थे जिन पर लिखा था, ÷मैं नरसंहार का विरोध करता हूं। मैं पैलेस्टाइन एक्शन का समर्थन करता हूं।÷

आईएसएस में पांच महीने बिताने के बाद चार अंतरिक्ष यात्री धरती पर लौटें

वाशिंगटन, एजेंसी।
स्टारलाइनर के फंसे हुए परीक्षण पायलटों की मदद करने के लिए लगभग पांच महीने पहले अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र पहुंचे चार अंतरिक्ष यात्री शनिवार को पृथ्वी पर लौट आए। उनका स्पेसएक्स कैप्सूल, चक्कर लगा रही प्रयोगशाला से प्रस्थान करने के एक दिन बाद, दक्षिणी कैलिफोर्निया तट से प्रशांत महासागर में पैराशूट से उतरा।

स्पेसएक्स मिशन कंट्रोल ने रेडियो पर प्रसारित किया, ''घर में आपका स्वागत है।'' नासा की एनी मैकक्लेन और निकोल एयर्स, जापान के ताकुया ओनिशी और रूस के किरिल पेस्कोव धरती पर उतरे। इन्हें मार्च में स्टारलाइनर के असफल प्रदर्शन के लिए नियुक्त किए गए दो नासा अंतरिक्ष यात्रियों की जगह लेने के लिए भेजा गया था।

स्टारलाइनर में खराबी के कारण बुच

विल्मोर और सुनीता विलियम्स एक हफ्ते के बजाय नौ महीने से ज़्यादा समय तक अंतरिक्ष केंद्र पर फंसे रहे। नासा ने बोइंग के नए क्रू कैप्सूल को खाली वापस लौटने का आदेश दिया और दोनों को स्पेसएक्स में स्थानांतरित कर दिया।

यह स्पेसएक्स का अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर प्रशांत क्षेत्र में उतरने का तीसरा मिशन था जबकि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के किसी चालक दल के लिए 50 वर्षों में यह पहला अभियान था।

एलन मस्क की कंपनी ने इस साल की शुरुआत में अंतरिक्ष यात्रियों को फ्लोरिडा से सटे अटलांटिक महासागर में अंतरिक्ष यात्रियों को उतराने के बजाय कैलिफ़ोर्निया के तट पर प्रशांत महासागर में उतारने की शुरुआत की थी ताकि आबादी वाले इलाकों में मलबा गिरने का खतरा कम हो सके। नासा के अंतरिक्ष यात्री आखिरी बार 1975 के अपोलो-सोयुज मिशन के दौरान प्रशांत महासागर में उतरे थे।

खालिस्तान से जुड़े बोर्ड लगाना नियमों के खिलाफ नहीं, चैरिटी आयोग ने ब्रिटेन के गुरुद्वारों को दी अनुमति

ब्रिटेन, एजेंसी।
2019 में दक्षिण-पूर्वी इंग्लैंड के बर्कशायर काउंटी स्थित स्लो स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा का दौरा करने वाली एक भारतीय पत्रकार को परिसर के अंदर एक बड़ा खालिस्तान बोर्ड मिला। उन्होंने चैरिटी कमीशन में शिकायत दर्ज कराई, जो ब्रिटेन में चैरिटी संस्थाओं का नियमन करता है। यूनाइटेड किंगडम (यूके) के एक गुरुद्वारे को खालिस्तान शब्द वाले बोर्ड लगाने की अनुमति मिल गई है। यूके के चैरिटी क्षेत्र की निगरानी संस्था ने फैसला सुनाया है कि स्लो स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा की जाँच में पाया गया है कि खालिस्तान बोर्ड देश में संचालित चैरिटी संस्थाओं के लिए राजनीतिक दिशानिर्देशों का उल्लंघन नहीं करते हैं। यह मामला 2019 में तब उठा जब एक भारतीय पत्रकार को पूजा स्थल परिसर में एक खालिस्तान बोर्ड दिखाई दिया। हालाँकि, गुरुद्वारे की समिति ने कथित तौर पर इन पट्टिकाओं के इस्तेमाल को राजनीतिक के बजाय धार्मिक बताते हुए इसका बचाव किया। 2019 में दक्षिण-पूर्वी इंग्लैंड के बर्कशायर काउंटी स्थित स्लो स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा का दौरा करने वाली एक भारतीय पत्रकार को परिसर के अंदर एक बड़ा खालिस्तान बोर्ड मिला। उन्होंने चैरिटी कमीशन में शिकायत दर्ज कराई, जो ब्रिटेन में चैरिटी संस्थाओं का नियमन करता है। ब्रिटेन में गुरुद्वारों को चैरिटी के रूप में पंजीकृत किया जाता है क्योंकि वे जनहित के लिए होते हैं। ब्रिटिश चैरिटी कमीशन के दिशानिर्देश किसी राजनीतिक दल या

राज्य का समर्थन करने की अनुमति नहीं देते हैं। गुरुद्वारे में खालिस्तान के बैनर या पट्टिकाएँ प्रदर्शित करने का जटिल और संवेदनशील मामला स्वतंत्र निगरानी संस्था के समक्ष समीक्षा के लिए उठाया गया था। पिछले दिसंबर में कमीशन ने गुरुद्वारे के ट्रस्टियों को 10 मार्च, 2025 तक पट्टिकाएँ हटाने का निर्देश दिया था। हालाँकि, टाइम्स ऑफ इंडिया (ञ्ह्ढ) की रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें कभी नहीं हटाया गया। इस मुद्दे को उठाए जाने के पाँच साल बाद, ब्रिटेन के आयोग ने फैसला किया है कि बोर्ड बने रह सकते हैं। आयोग ने कहा कि खालिस्तान शब्द का एक महत्वपूर्ण धार्मिक अर्थ है, जबकि कुछ लोगों के लिए यह एक राजनीतिक शब्द है। समिति ने निष्कर्ष निकाला कि यह चैरिटी अपने धार्मिक उद्देश्यों के अनुरूप काम कर रही थी, क्योंकि खालिस्तान बोर्ड किसी राजनीतिक राज्य की मांग करने वाली सामग्री का प्रचार नहीं करते थे। चैरिटी आयोग के प्रवक्ता ने कहा कि गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, स्लो के बारे में हमारे समक्ष कई प्रशासनिक चिंताएं उठाई गईं, जिसके बाद हमने इनका आगे मूल्यांकन करने और ट्रस्टियों के साथ बातचीत करने के लिए एक नियामक अनुपालन मामला खोला।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में लोहीलुहान युवक जिंदगी बचाने के लिए तड़पता रहा,लोग वीडियो बनाते रहे

सचिन में मोबाइल चोरी की रंजिश में हत्या, नाबालिग समेत तीन गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में क़ानून-व्यवस्था मानो ध्वस्त हो गई हो, ऐसे में दिनदहाड़े सचिन क्षेत्र में एक युवक की हत्या का मामला सामने आया। इस घटना में न सिर्फ हत्या हुई, बल्कि घटना के बाद जिस तरह से मानवता मर गई, उसका वीडियो देखकर लोगों का दिल दहल उठा। एक युवक लहूलुहान हालत में अपनी जान बचाने के लिए तड़पता रहा, लेकिन आसपास के लोग वीडियो शूट करने में व्यस्त रहे और किसी ने भी उसे अस्पताल पहुंचाने की जहमत नहीं उठाई। यह हत्या मोबाइल चोरी की रंजिश में की गई थी। इस पूरे मामले में सचिन पुलिस ने एक नाबालिग समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

विपिन और उसके दोस्त अमनसिंह का इमरान और अयान से झगड़ा हुआ था

सचिन पुलिस के अनुसार, इस हत्या के पीछे कारण एक मोबाइल फोन की चोरी की पुरानी रंजिश थी। कुछ दिन पहले इमरान और अयान के दोस्त विपिन उर्फ काला मदनसिंह (उम्र 28) का मोबाइल चोरी हो गया था। इस मामले में विपिन और उसके दोस्त अमनसिंह का इमरान और अयान से झगड़ा हुआ था, जिसमें विपिन ने इमरान की पिटाई कर दी थी। इस झगड़े की रंजिश रखते हुए आरोपियों ने विपिन को मारने की साजिश रची थी।

10 अगस्त को दोपहर करीब साढ़े तीन बजे, सचिन सुदा सेक्टर की शिव दर्शन कॉम्प्लेक्स के पास स्थित सौराष्ट्र लेऊवा पाटीदार सेवा समाज की वाड़ी के नजदीक यह घटना हुई। पहले हुए झगड़े की रंजिश में इमरान, राजीक, अयान और अन्य तीन आरोपी कुल छह लोग चार बाइक पर वहां पहुंचे। उन्होंने विपिन और उसके दोस्त अमनसिंह पर हथियारों से हमला किया। अमनसिंह को लकड़ी से मारा गया, जबकि विपिन पर इमरान और राजीक समेत आरोपियों ने चाकू से वार किए।

आरोपियों ने विपिन के दाहिने पैर की जांघ और पीछे के हिस्से पर गंभीर और जानलेवा चोटें पहुंचाईं। हमले के बाद आरोपी भाग निकले। विपिन लहूलुहान हालत में मदद के लिए तड़पता रहा, लेकिन आसपास के लोगों ने उसकी मदद करने के बजाय वीडियो बनाने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाई। इस घटना के कई चौंकाने वाले वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए, जिनमें विपिन दर्द से कराहता और मदद के लिए गुहार लगाता दिख रहा है। उसके आसपास खड़े लोगों में से किसी ने भी उसे अस्पताल ले जाने या प्राथमिक उपचार देने की जरूरत नहीं समझी।

इस मामले की सबसे दुखद बात यह है कि अगर विपिन को समय पर इलाज मिल जाता तो शायद उसकी जान बच सकती थी। लेकिन लोगों की निष्क्रियता और बेरुखी ने उसे मौत के मुंह में धकेल दिया। यह घटना समाज की बदलती मानसिकता पर गंभीर सवाल खड़े करती है, जहां लोग एक जान बचाने के बजाय मोबाइल का कैमरा ऑन करने को प्राथमिकता देते हैं।

एसीपी निरव गोहिल ने बताया कि सचिन पुलिस ने इस मामले में सक्रियता दिखाते हुए तत्काल कार्रवाई की है। पुलिस ने हत्या का पर्दाफाश कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक नाबालिग (जुवेनाइल) भी शामिल है। अन्य आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस द्वारा आगे की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, कुल छह आरोपी इस घटना में शामिल थे, जिनमें से दो नाबालिग हैं। फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से और जानकारी हासिल की जा रही है।

गोविंदा आला रे... आला...

सूरत शहर गोविंदा उत्सव समिति 27 वर्ष पूरे कर 28 वें वर्ष में प्रवेश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले पर्व जन्माष्टमी की शहर में जोर-शोर से तैयारियां शुरू हो गई हैं। 16 अगस्त, शनिवार को भागल में सूरत शहर के मुख्य मटकी फोड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

सूरत शहर गोविंदा उत्सव समिति के अध्यक्ष गणेशभाई सावंत के अनुसार, कार्यक्रम शुरू होने से पहले अहमदाबाद में हुए विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति और गोविंदा मंडल के दिवंगत सदस्यों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा जाएगा। इसके बाद राष्ट्रगान गाकर कार्यक्रम की शुरुआत होगी।

आगामी 16 अगस्त को शाम 4:30 बजे भागल चार रास्ता पर मुख्य मटकी फोड़ कार्यक्रम प्रदेश अध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिल साहब की अध्यक्षता में होगा, जिसमें सूरत शहर भागल की मुख्य मटकी आर.के. स्पोर्ट्स क्लब, रुद्रपुरा द्वारा फोड़ी जाएगी, जिन्हें 11,000 और ट्रॉफी दी जाएगी।

कार्यक्रम में संयोजक के रूप में श्री सिद्धि स्पोर्ट्स क्लब, अडाजन जुड़ेगा, जिन्हें 11,000 और ट्रॉफी दी जाएगी। वहीं, 25 वर्ष पुराने मंडल की विशेष मटकी निर्वाण अखाड़ा, बेगमपुरा द्वारा फोड़ी जाएगी, जिन्हें 11,000 और ट्रॉफी प्रदान की जाएगी।

महिला मंडल की मटकी जय भवानी महिला मंडल, खपाटिया अंबाजी रोड और आर.के. स्पोर्ट्स क्लब महिला मंडल, रुद्रपुरा द्वारा फोड़ी जाएगी। इन्हें भी 11,000-11,000 और ट्रॉफी दी जाएगी।

इसके बाद, श्री सी.आर. पाटिल साहब के पौत्र कु. रणवीर जिग्नेशभाई पाटिल की ओर से ऊंची से ऊंची मटकी फोड़ने वाले को 51,000 नकद पुरस्कार और ट्रॉफी दी जाएगी।

सूरत शहर के विभिन्न क्षेत्रों से गोविंदा मंडल भागल में उपस्थित रहेंगे। समिति द्वारा 143 मंडलों को परमिट फॉर्म दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 136 सूरत शहर के गोविंदा मंडलों को परमिट फॉर्म वितरित किए गए थे।

आप सभी को मटकी फोड़ कार्यक्रम देखने और उपस्थित रहने के लिए गोविंदा मंडल समिति की ओर से हार्दिक आमंत्रण दिया जाता है।

डींडोली में बीजेपी पार्षद के बेटे और पुलिस के बीच विवाद

दुकान बंद कराने को लेकर कहा सुनी, राहुल चौधरी बोले- "पुलिस वाले खाना पार्सल ले जाएं तो भी हम कुछ नहीं कहते"

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के डींडोली इलाके में देर रात दुकानों और खाने-पीने की लारी बंद कराने के मुद्दे पर पार्षद व निर्माण समिति के सदस्य सुधाकर चौधरी के बेटे राहुल चौधरी और पुलिस के बीच तनाव हो गया। इस घटना के बाद राहुल ने पुलिस पर बदसलूकी और अभद्र भाषा के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए डींडोली पुलिस थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। दूसरी ओर, डीसीपी भगीरथ गढ़वी ने इस मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

यह घटना 9 अगस्त रात करीब 10:36 बजे की है। पार्षद सुधाकर चौधरी के 31 वर्षीय बेटे राहुल चौधरी, जो मंडप और कैटरिंग का व्यवसाय करते हैं, ने बताया कि दो पुलिसकर्मी सादे कपड़ों में रिक्शा से आए थे। शिकायत में राहुल ने कहा कि इन पुलिसकर्मियों ने तुरंत दुकानें बंद करने को कहा और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। राहुल के अनुसार, जब उन्होंने पुलिसकर्मियों से गाली देने पर सवाल किया, तो वे भड़क गए चल, फटाफट बंद करवा दे, नहीं तो तुझे अंदर जेल में डाल दूंगा।ज्ज राहुल का आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने उनका कॉलर पकड़कर जबरन गाड़ी में बैठाने की कोशिश की।

राहुल ने कहा कि पुलिसकर्मियों को पता था कि उनके पिता वार्ड नंबर 27 के पार्षद हैं, फिर भी उन्होंने कहा, "तेरा बाप पार्षद है तो क्या कर लेगा?" इस तरह की बातें सुनकर उनकी भावनाएं आहत हुईं।

वहीं, डींडोली पुलिस का कहना है कि वे देर रात दुकानों को बंद कराने के लिए नियमित अभियान चला रहे थे, ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे और असामाजिक तत्व एक जगह इकट्ठा न हों। पुलिस के अनुसार, रात 10 से 10:30 बजे तक सभी दुकानें बंद कराने की कार्रवाई होती है, जिससे इलाके में शांति और सुरक्षा बनी रहे।

डीसीपी बोले- जांच के बाद होगी कार्रवाई

गंभीर आरोपों के बाद डीसीपी भगीरथ गढ़वी ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, "जो भी शिकायत आई है, हम उसकी गंभीरता से जांच करेंगे। सच्चाई क्या है और पुलिस पर लगाए गए आरोप कितने सही हैं, यह जांच के बाद ही स्पष्ट होगा और आगे की कार्रवाई की जाएगी।"

राहुल चौधरी ने कहा, "हम बीजेपी से जुड़े हैं और अच्छे लोग हैं। आज तक हमने कभी सत्ता का दुरुपयोग नहीं किया और किसी से अभद्रता नहीं की। लेकिन पुलिस ने हमारी भावनाएं आहत कीं और पार्षद का बेटा होने के बावजूद गलत व्यवहार किया। हम समय पर अपनी दुकानें बंद कर रहे थे, फिर भी पुलिस ने हमारे साथ बदसलूकी की, जबकि आसपास कई रेस्टोरेंट खुले थे।"

राहुल का आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने न सिर्फ उनके साथ, बल्कि उनके किराए पर दिए पान के गल्ले, डोसा और वड़ा-पाव की लारी वालों के साथ भी अभद्र व्यवहार किया। शिकायत में उन्होंने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 351(1), 352, 351(3), 188, 198, 199 के तहत पुलिस के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है।

राहुल का कहना है कि घटना के समय के सीसीटीवी फुटेज में पुलिसकर्मी हाथ में डंडा लिए नजर आ रहे हैं, जो इस केस में अहम सबूत हो सकता है। इससे साफ हो सकता है कि पुलिस की कार्रवाई केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए थी या इसमें बदसलूकी और जबरदस्ती भी शामिल थी।

सूरत में बेहोश होने के बाद तीन की मौत

24 घंटों में तीन युवाओं के अचानक बेहोश होकर गिरने के बाद मौत होने की घटनाएं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में पिछले 24 घंटों में तीन युवाओं के अचानक बेहोश होकर गिरने के बाद मौत होने की घटनाएं सामने आई हैं। वेसु इलाके में महफ़िले ढाबा का मालिक किचन में काम करते समय गिर पड़ा। भटार इलाके में एक रिक्शा चालक सीएनजी भरवाते समय बेहोश होकर गिर पड़ा। वहीं हजीरा इलाके में कंपनी में काम करते समय युवक अचानक बेहोश हो गया और उसकी मौत हो गई। तीनों की मौत हार्ट अटैक से हुई होने की आशंका जताई जा रही है।

ढाबे के किचन में काम करते समय बेहोश होकर गिरा

पहले मामले में, मूल रूप से महाराष्ट्र निवासी और वेसु क्षेत्र के सुमन नगर में रहने वाले 24 वर्षीय राजेंद्र बालूभाई हिवराडे अपने परिवार के साथ रहते थे। परिवार में उनके दो और भाई भी हैं। राजेंद्र वेसु वीआईपी रोड पर स्थित महफ़िले ढाबा नामक दुकान चलाते थे। बीती रात राजेंद्र ढाबे के किचन में काम करते समय अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें 108 एम्बुलेंस से पहले निजी अस्पताल और फिर नई सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। आशंका है कि राजेंद्र की मौत हार्ट अटैक से हुई।

रिक्शे में सीएनजी भरवाते समय बेहोश होकर गिरा युवक

दूसरे मामले में, भटार क्षेत्र के आज़ाद नगर स्थित तड़केश्वर नगर सोसाइटी में रहने वाले 45 वर्षीय आनंद मुरलीधर कहार अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रहते थे। आनंद ऑटो रिक्शा चलाकर परिवार का गुज़ारा करते थे। रविवार रात आनंद अपनी ऑटो रिक्शा में भटार स्थित सीएनजी पंप पर गैस भरवाने गए थे। सीएनजी भरवाने के बाद वहीं खड़े थे, तभी वे गिर पड़े। उन्हें 108 से नई सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। आशंका है कि उनकी मौत हार्ट अटैक से हुई।

राहुल की मौत हार्ट अटैक से होने की संभावना

तीसरे मामले में, मूल रूप से बिहार निवासी और हजीरा के माता फलिया में रहने वाले 28 वर्षीय राहुल छबील यादव हजीरा स्थित कंस्ट्रक्शन मटेरियल बनाने वाली कंपनी में क्रेन ऑपरेटर के रूप में काम करते थे और परिवार की आर्थिक मदद करते थे। राहुल हमेशा की तरह कंपनी में काम कर रहे थे, तभी अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें पहले निजी अस्पताल और फिर नई सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। आशंका है कि राहुल की मौत हार्ट अटैक से हुई।

चोरी की गई बाइक से स्नैचिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

दंपती के पर्स चोरी केस में अजीबोगरीब तरीका

बाइक की आगे की नंबर प्लेट तोड़ते, पीछे की प्लेट पर काली पट्टी लगाते

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में स्नैचिंग की घटनाएं बढ़ रही थीं। रात के समय स्नैचर सोसायटी और सड़कों पर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी करके, आगे की नंबर प्लेट तोड़ देते और पीछे की नंबर प्लेट पर काली पट्टी लगा देते थे। इसके बाद इनका इस्तेमाल मोबाइल, पर्स और अन्य कीमती सामान लूटने के लिए करते थे। इनका तरीका (मोडस ऑपरेंडी) काफी अनोखा था, जिसकी वजह से पुलिस को इन्हें पकड़ने में काफी मुश्किलें आ रही थीं। आखिरकार चौकबाजार पुलिस ने गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि दोनों आरोपी पहले से आपराधिक इतिहास रखते हैं।

5 अगस्त को चौकबाजार क्षेत्र में एक दंपती के साथ पर्स स्नैचिंग का मामला सामने आया था। यह दंपती स्टेशन से ऑटो रिक्शा में अपने घर लौट रहा था, तभी बाइक पर आए दो लोगों ने उनका पर्स छीन लिया। इस पर्स में 250 दिरहम, एक मोबाइल, पासपोर्ट और नकदी समेत कीमती सामान था। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी बिना नंबर प्लेट की बाइक से आए थे, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया था। हालांकि, ह्यूमन सोर्स के आधार पर पुलिस ने भेस्तान आवास क्षेत्र से दोनों स्नैचरों को पकड़ लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अशफाक उर्फ माया उर्फ कालिया युसुफ शेख और मोहीन उर्फ मोइन खान उर्फ पेड़ा उर्फ बोबड़ा पठान के रूप में हुई है। अशफाक उर्फ माया उर्फ कालिया युसुफ शेख के खिलाफ मारपीट, चोरी, स्नैचिंग सहित कुल 14 मामले दर्ज हैं और उस पर तीन बार पासा की कार्रवाई भी हो चुकी है।

नक़्शीकाम तोड़कर आधे फुट की जगह से चोर देरासर में घुसा, CCTV में कैद

दानपेटी से नकदी और भगवान की मूर्ति से चांदी की पलकें चुराकर फरार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के अडाजण इलाके में रामजी मंदिर ओवाड़ा के पास स्थित एक जैन देरासर में चोरी की घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। चोरों ने मंदिर के नक़्शीकाम में बनी मोर की आकृति को तोड़कर मात्र आधा फुट जगह से अंदर प्रवेश किया और दानपेटी से नकदी तथा भगवान की मूर्ति से चांदी की पलकें चुराकर फरार हो गए। पूरी घटना CCTV कैमरे में कैद हो गई है, जिसके आधार पर अडाजण पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यह घटना रात करीब 2:48 बजे की है। CCTV फुटेज में साफ़ देखा जा सकता है कि दो चोर देरासर के अंदर घुसते हैं। सबसे पहले एक चोर देरासर के नक़्शीकाम में बनी मोर की आकृति को तोड़कर वहां से आधे फुट जितनी छोटी जगह से अंदर घुसता है। अंदर जाने के बाद वह अपना नक़ाब ऊपर करता है और फिर दूसरे चोर के लिए दरवाज़ा खोल देता है। दोनों चोर अंदर घुसने के बाद सबसे पहले दानपेटी को तोड़ते हैं और उसमें से नकदी चुरा लेते हैं। इसके बाद वे भगवान की मूर्ति से चांदी से बनी पलकें भी निकाल लेते हैं। CCTV में चोरों के हाथ में एक रॉड और चोरी किए गए रुपए साफ़ दिखाई देते हैं। पुलिस के अनुमान के अनुसार, कुल 70,000 रुपए से अधिक की संपत्ति की चोरी हुई है।

इस मामले में देरासर के ट्रस्टी द्वारा अडाजण पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस ने CCTV फुटेज हासिल कर दोनों चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच शुरू कर दी है। हालांकि CCTV में चोरों का चेहरा स्पष्ट नहीं दिख रहा है, लेकिन पुलिस आस-पास के अन्य CCTV फुटेज भी खंगाल रही है ताकि चोरों तक पहुंचा जा सके। इस घटना से स्थानीय लोगों में रोष देखा जा रहा है।